जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी, रविवार 5 जून, 2022

इतिहास में पहली बार

2000 Sq. Ft. बिल्ट-अप एरिया वाली 5BHK कोठी सिर्फ 75 लाख में !

A Project By Kedia

THE KUNBA

बड़े परिवारों के लिए

NO MIDDLE-MEN DIRECT TO CUSTOMER

FIXED PRICE

5BHK कोठी खरीदने का आखिरी मौका

Advance Notice: Last Few Units Left

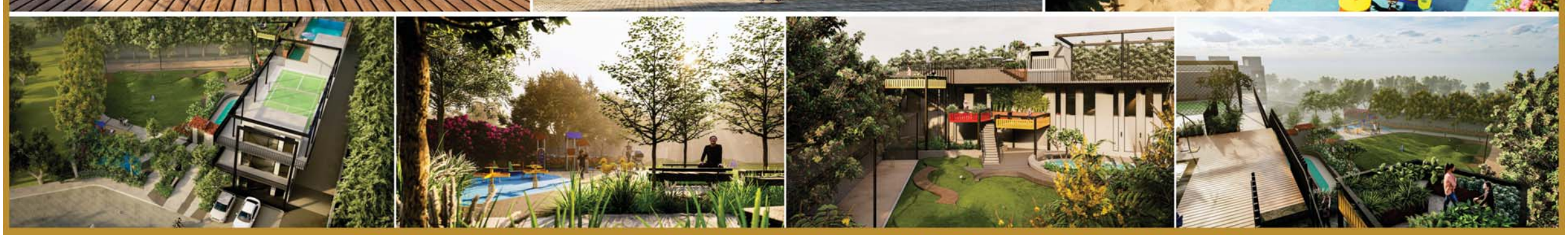

NEAR MPS, PRATAP NAGAR, TONK ROAD, JAIPUR

KEDIA
Transforming Realty

TOLL FREE: 1800-120-23-23, 7877-07-27-37

www.kedia.com | www.kediahomes.com | info@kediahomes.com

www.rera.rajasthan.gov.in | Rera No. RAJ/P/2022/1900

*T&C Apply

विचार बिन्दु

सौंदर्य और विलास के आवरण में महत्त्वाकांक्षा उसी प्रकार पोषित होती है जैसे म्यान में तलवार। –रामकुमार वर्मा

महर्षि अग्निवेश के कल्याणकारी प्रश्न

प्रश्न पूछना और उनका उत्तर देना एक गंभीर कला है। इसमें पूर्व से उपलब्ध साहित्य, संहिताओं, वैज्ञानिक ज्ञान, और अनुभवजन्य ज्ञान की समठाता को समेटना पड़ता है। आज से कम से कम 5000 वर्ष पूर्व ऐसे ही कुछ कल्याणकारी प्रश्न आचार्य अग्निवेश ने अपने गुरु भगवान आत्रेय से पूछा था।

दरअसल, आयुर्वेद को पूर्ण विस्तार से समझाने-समझने के बाद आचार्य अग्निवेश को लगा कि आहार, विहार, सद्वृत्त, स्वस्थवृत्त, पंचकर्म, रसायन एवं औषधियों के संदर्भ में भगवान आत्रेय प्रत्येक विषय को सम्हालने के लिये अनेकानेक कारक स्पष्ट किये हैं। तो क्या इन तमाम कारकों में से कुछ ऐसे कारक नहीं हैं जो सर्वाधिक महत्वपूर्ण हों? आचार्य अग्निवेश अपनी जिज्ञासा नहीं रोक पाये और अंत में गुरुदेव से पूछ ही लिया।

गुरुश्रेष्ठ! आपने आयुविज्ञान को बहुत विस्तारपूर्वक समझाया। जीवन के प्रत्येक पहलू को प्रभावित करने वाले अनेकानेक कारक बताये। परन्तु इन कारकों में कोई तो सबसे महत्वपूर्ण या श्रेष्ठतम होगा? क्या प्राणवर्धन करने वालों में एक, बलवर्धन करने वालों में एक, बृंहण या वृद्धि करने वालों में एक, नंदन या समृद्धि करने वाले कारकों में एक, मन को प्रसन्न करने वालों में एक, और मार्गों में एक सर्वश्रेष्ठ मार्ग है? --आचार्य अग्निवेश ने पूछा।

आचार्य अग्निवेश के इन प्रश्नों को आप हल्के में नहीं ले सकते। क्यों? बात यह है कि प्राणवर्धन का सबसे महत्वपूर्ण कारक जान लेने से दीर्घायु या लंबी जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण सूत्र तो मिल जायेगा किन्तु ऐसी लम्बी आयु किस काम की है जो बलवान या ऊर्जावान न हो, जो बृंहण या वृद्धि से समुचित भरपूर न हो, जिसमें समृद्धि और प्रसन्नता न हो, और अंततः जिसमें सद्गति या मोक्ष न मिले। इसलिये आचार्य अग्निवेश द्वारा पूछे गये प्रश्नों का यह समुच्चय बेहद रोचक, गूढ़ और कल्याणकारी है। दुर्भाग्यवश, चरकसंहिता के तमाम व्याख्याकार इन प्रश्नों की गहराई, गूढ़ता और निहितार्थ को कभी नाप नहीं पाये। इसलिये आज की चर्चा इन प्रश्नों पर है।

इस प्रश्नों पर भगवान आत्रेय द्वारा दिया गया उत्तर कई कारणों से महत्वपूर्ण हो जाता है।

इनकी चर्चा हम करेंगे, पर पहले उत्तर देखिये।

आयुर्वेद को जानने वाले ऐसा मानते हैं कि प्राणियों के प्राण बढ़ाने वाले कारकों में सबसे श्रेष्ठ अहिंसा, बलवर्धन करने वालों में वीर्य (जोश, बहादुरी या वीर्य) बहादुरी, बृंहण या वृद्धि करने वालों कारकों में विद्या, समृद्धि करने वालों में इंद्रियों पर विजय, मन को प्रसन्न करने वाले कारकों में तत्वज्ञान या सच्चाई का ज्ञान, और मार्गों में ब्रह्मचर्य सबसे उत्कृष्ट है। –आत्रेय का उत्तर था।

आत्रेय के उत्तरों की तीन विशिष्टतायें देखना आवश्यक है। पहली विशेषता यह है कि उत्तर में जिन एक-एक सर्वश्रेष्ठ कारकों को दर्शित किया गया है उनमें एक भी द्रव्य नहीं है बल्कि सभी अद्रव्य कारक हैं। जीवन में केवल द्रव्य ही महत्वपूर्ण नहीं हैं बल्कि अद्रव्य भी उतने ही महत्वपूर्ण हो सकते हैं। उदाहरण के लिये प्राणवर्धक तो आहार भी है किन्तु अहिंसा ही उत्कृष्ट है क्योंकि हिंसा प्राणघातक और अहिंसा प्राणवर्धक होती है। अद्रव्य होने से हम इनका सदैव और अनवरत उपयोग तो कर ही सकते हैं, साथ ही ये बिना किसी अतिरिक्त आर्थिक लागत हमें सदैव उपलब्ध हैं। दूसरी विशेषता यह है कि आत्रेय ने यहाँ उत्तर केवल अपने ज्ञान को आधार मानकर नहीं दिया। यहाँ पर उन्होंने प्रश्नों का उत्तर देने के लिये उस वैज्ञानिक विधि का सहारा लिया है जिसे वर्तमान में एक्सपर्ट-जजमेंट के नाम से जाना जाता है। यही कारण है कि आत्रेय ने अपने उत्तर में इस स्पष्टीकरण का समावेश किया है कि आयुर्वेद को जानने वाले ऐसा मानते हैं। इसका अर्थ यह है कि तत्समय में आयुर्वेद के विद्वानों के मत का निचोड़ आत्रेय ने अग्निवेश को दर्शित किया है। आत्रेय के इन उत्तरों का स्पष्ट अभिप्राय यह भी है कि ऐसा केवल मैं नहीं कह रहा हूं बल्कि मैंने आयुर्वेद के विद्वानों के मध्य उपलब्ध ज्ञान को एक्सपर्ट-जजमेंट के आधार पर प्राप्त कर, आज की भाषा में कहें तो प्रिंसिपल कॉम्पोनेंट एनलिसिस से ज्ञात हुआ सबसे महत्वपूर्ण कारक दर्शित किया है। यहाँ एक महत्वपूर्ण सन्देश यह भी है कि जब प्रश्न का उत्तर व्यापक प्रयोज्यता के लिये हो या अनेक कारकों में से एक प्रधान कारक की खोज पर चिंतन चल रहा हो तो अनेक विद्वानों के विचार को समाहित कर समठा उत्तर देना उपयोगी है।

आचार्य अग्निवेश के प्रश्नों और उनके महान गुरु आत्रेय द्वारा दिये गये उत्तरों के निहितार्थ समझिये। और उसी के अनुरूप अहिंसा, वीर्य, विद्या, इन्द्रियजय, तत्वबोध और ब्रह्मचर्य को सहेजिये। ये अद्रव्य कारक बिना किसी अतिरिक्त धन का निवेश किये आपके पास सदैव उपलब्ध हैं। आजीवन मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ और सुखी रहेंगे।

तीसरी बात यह है चरकसंहिता में यह प्रसंग वस्तुतः हृदयरोगों से बचाव के वर्णन के तुरंत बाद निरंतरता में आया है। इस तथ्य के प्रकाश में देखने पर एक यह सन्देश भी स्पष्ट होता है कि अहिंसा, वीर्य, विद्या, इन्द्रियजय, तत्वबोध और ब्रह्मचर्य जैसे अद्रव्य, किन्तु सभी नागरिकों पूर्णतः क्रियान्वयन-योग्य, भावों की हृदय रोगों से बचाव में भी विशेष भूमिका है। यदि इस दिशा में ध्यान दिया जाये तो भारत को हृदयरोग सहित तमाम गैर-संचारी रोगों की वैश्विक राजधानी होने के कलंक से मुक्ति मिल सकती है।

इस चर्चा का हमारे जीवन में क्या महत्त्व है? वस्तुतः इस बात को समझने के लिये उत्तरों के निहितार्थ समझना आवश्यक है। सबसे पहला सन्देश तो यह है कि केवल लंबी आयु किसी काम की नहीं है। बीमार शरीर में लम्बे समय तक प्राण तो अटके रह सकते हैं परन्तु ऐसी आयु सुखायु और हितायु की श्रेणी में नहीं गिनी जाती। आयु ऐसी हो जिसमें मानसिक और शारीरिक बल और वृद्धि हो, समृद्धि हो, आनंद हो और जो इन्द्रिय-संयम के मार्ग पर चले। इन प्रश्नों और उत्तरों में इस महत्वपूर्ण समुच्चय का पूरा पूरा ख्याल रखा गया है।

अहिंसा प्राणवर्धक कारकों में श्रेष्ठतम कैसे है? दरअसल, हिंसा के सभी प्रकार, डांट-डपट, चिल्लाना, मारपीट करना, प्रताड़ित करना आदि जीवित कोशिकाओं में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इन्फ्लेमेशन को बढ़ा देते हैं। ऐसी दशा में बुढ़ापा जल्दी आता है और समय-पूर्व मृत्यु की संभावना बढ़ती है। स्वाभाविक है कि अहिंसा प्राणवर्धन में सबसे श्रेष्ठ है।

इसी प्रकार बल को बढ़ाने वाले कारकों में वीर्य सबसे बेहतर है। वीर्य या जोश आत्मविश्वास को बढ़ाता है। व्यक्ति को बलशाली बनाने में जोश का अद्वितीय योगदान रहता है। इतिहास ऐसी घटनाओं से भरा पड़ा है जब सेना-नायकों ने अपनी फौज में जोश दिलाकर हारे हुये युद्ध जीते हैं।

बृंहण या वृद्धि करने वाले कारकों में विद्या को सबसे उत्तम माना गया है। विद्या केवल मन और शरीर का बृंहण नहीं करती, बल्कि जीवन की समठाता का बृंहण होता है। वस्तुतः शारीरिक और मानसिक विकास में विद्या, जिसमें ज्ञान और कौशल शामिल हैं, का बड़ा योगदान है।

जानकारी, ज्ञान कौशल के बिना शरीर का पोषण या वृद्धि नहीं हो सकती। विद्या-विहीन व्यक्ति आहार, विहार, सद्वृत्त, स्वस्थवृत्त, पंचकर्म, रसायन और औषधियों के महत्त्व को कभी नहीं समझ सकता। और इन सबकी समझ और क्रियान्वयन के बिना समुचित मानसिक और शारीरिक पोषण, विकास या वृद्धि नहीं होती।

समृद्धि देने वाले कारकों में इंद्रियों पर विजय सबसे महत्वपूर्ण है। वास्तव में आंख, नाक, कान, जीभ व चमड़ी मन के नियंत्रण हों तो रोग नहीं होते। आरोग्य या रोगरहित हुये बिना समृद्धि नहीं प्राप्त हो सकती। असल में आरोग्य के बिना अर्थ, धर्म, काम या मोक्ष कुछ भी प्राप्त नहीं हो सकता। जीवन में खुशी चाहिये तो याद रखिये कि आरोग्य ही सुख है और विकार ही दुःख है।

इसीलिये समृद्धि में इन्द्रिय-जय का अद्वितीय योगदान है।

प्रसन्नता देने वाले कारकों में तत्वबोध या सच्चाई का ज्ञान सबसे महत्वपूर्ण कारक है। यथार्थ ज्ञान के बिना व्यक्ति निरुद्देश्य भटकता रहता है। ऐसे व्यक्ति जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों को भी नहीं साध पाते। तत्वबोध मन को प्रसन्न करने वाले कारकों में इसीलिये सर्वश्रेष्ठ कहा गया है।

अंततः, मार्गों में ब्रह्मचर्य सर्वश्रेष्ठ मार्ग है। ब्रह्मचर्य का मूल दर्शन वस्तुतः मैथुन के पूर्ण प्रतिबन्ध पर नहीं बल्कि इन्द्रिय-संयम और आत्म-नियंत्रण पर केन्द्रित है। आयुर्वेद का मत है कि मैथुन की अधिकता से अनेक रोग होते हैं किन्तु यदि सेक्स की इच्छा को दबाया जाता है या शुक्र-वेग धारण किया जाता है तो स्वास्थ्य-विषयक अनेक समस्यायें जैसे जननेंद्रिय, टेस्टिकल्स, शरीर और हृदय में दर्द, और मूत्र-विसर्जन में रुकावट और दर्द के लक्षण खड़े हो जाते हैं। मैथुन न करने से प्रमेह, मोटापा, तथा शारीरिक शिथिलता होती है। आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययनों में भी इन तथ्यों की पुष्टि होती है। इन समस्याओं से बचने के लिये पति-पत्नी के मध्य प्रगाढ़ शारीरिक रिश्ते क्लिनिकल दृष्टि से उचित और स्वास्थ्य के लिये हितकर हैं।

चरकसंहिता में वाजीकर द्रव्यों और अद्रव्यों के माध्यम से चिकित्सा का विस्तृत वर्णन यह स्पष्ट रूप से सिद्ध करता है कि गृहस्थों के लिये सेक्स पूर्ण-त्याज्य कभी नहीं रहा। पर इस बात को ध्यान रखें कि इन्द्रियों के संयम के बिना मानव का शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय अस्तित्व सदैव संकट में ही रहता है।

ध्यान दीजिये आचार्य अग्निवेश के प्रश्न और आत्रेय के उत्तर वस्तुतः जीवन की समठाता और उसे सम्हालने वाले श्रेष्ठ कारकों को समेटे हुये हैं। यहाँ केवल प्राणवर्धन या दीर्घायु मात्र का सूत्र जानने की जिज्ञासा नहीं है बल्कि ऐसे सूत्र जानने की जिज्ञासा है जिसमें दीर्घायु, हितायु और सुखायु अपनी समठाता में हो। ऐसी लम्बी उम्र किस काम की होगी जिसमें शरीर में बल न रहे।

इसीलिये दूसरा प्रश्न बलवर्धन पर केन्द्रित है। इसी प्रकार, लम्बी आयु और बल के साथ-साथ वृद्धि, समृद्धि और हर्ष और अंततोगत्वा सर्वाधिक महत्वपूर्ण मार्ग को समझने का प्रयास किया गया है।

हितकारी और सुखकारी जीवन ही जीने योग्य जीवन है। आचार्य अग्निवेश के प्रश्नों और उनके महान गुरु आत्रेय द्वारा दिये गये उत्तरों के निहितार्थ समझिये। और उसी के अनुरूप अहिंसा, वीर्य, विद्या, इन्द्रियजय, तत्वबोध और ब्रह्मचर्य को सहेजिये। ये अद्रव्य कारक बिना किसी अतिरिक्त धन का निवेश किये आपके पास सदैव उपलब्ध हैं। आजीवन मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ और सुखी रहेंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस में वरिष्ठ अधिकारी)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

(5 जून – विश्व पर्यावरण दिवस विशेष)

पर्यावरण संतुलन हेतु पर्यावरण प्रबंधन एवं संरक्षण की महती आवश्यकता

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विश्व में पर्यावरण संतुलन, संरक्षण एवं सुरक्षा तथा पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक एवं सामाजिक जागृति लाने के लिए 5 जून 1972 को विश्व पर्यावरण सम्मेलन आयोजित किया। इसमें विश्व पर्यावरण दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया। इसके दो साल बाद 5 जून 1974 से विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाने लगा।

सन् 1987 में इसके केन्द्र को बदलते रहने का सुझाव सामने आया और उसके बाद से ही इसके आयोजन के लिए अलग-अलग देशों को चुना जाता है। इसमें प्रतिवर्ष 143 से अधिक देश भाग लेते हैं और इसमें कई सरकारी, सामाजिक और व्यावसायिक लोग पर्यावरण की सुरक्षा, समस्या आदि विषय पर चर्चा करते हैं।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित विश्व पर्यावरण दिवस दुनिया का सबसे बड़ा वार्षिक आयोजन है। इसका मुख्य उद्देश्य हमारी प्रकृति की रक्षा के लिए जागरुकता बढ़ाना और दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों पर

पन्नालाल मेघवाल

चर्चा करके हल निकालना है।

मानव जीवन और पर्यावरण एक-दूसरे पर निर्भर हैं। मानव की बुरी आदतें जैसे वृक्षों की अत्यधिक मात्रा में कटाई करना, पानी दूषित करना, बर्बाद करना आदि पर्यावरण को बुरी तरह से प्रभावित करती हैं। मानव की अच्छी आदतें जैसे वृक्षों को सहेजना, जलवायु प्रदूषण रोकना, स्वच्छता

- **पर्यावरण सम्मेलन में प्रतिवर्ष 143 से अधिक देश भाग लेते हैं**

रखना पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पर्यावरण के जैविक संघटकों में सूक्ष्म जीवाणु से लेकर कीड़े-मकोड़े, सभी जीव-जंतु और पेड़-पौधों के अलावा उनसे जुड़ी सारी जैव क्रियाएं और प्रक्रियाएं भी शामिल हैं। जबकि पर्यावरण के अजैविक संघटकों में निर्जीव तत्व और उनसे जुड़ी प्रक्रियाएं आती हैं, जैसे: पर्वत, चट्टानें, नदी, हवा और जलवायु के तत्व इत्यादि।

यह हमारे चारों ओर व्याप्त है और हमारे जीवन की प्रत्येक घटना इसी पर निर्भर करती और संपादित होती है। मनुष्यों द्वारा की जाने वाली समस्त क्रियाएं पर्यावरण को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं।

मानव हस्तक्षेप के आधार पर पर्यावरण को दो भागों में बांटा जा सकता है, जिसमें पहला है प्राकृतिक

या नैसर्गिक पर्यावरण और मानव निर्मित पर्यावरण। यह विभाजन प्राकृतिक प्रक्रियाओं और दशाओं में मानव हस्तक्षेप की मात्रा की अधिकता और न्यूनता के अनुसार है।

पर्यावरणीय समस्याएं जैसे प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन इत्यादि मनुष्य को अपनी जीवनशैली के बारे में पुनर्विचार के लिये प्रेरित कर रही हैं और अब पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण प्रबंधन की आवश्यकता महत्वपूर्ण है। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए यह भी आवश्यक है कि सरकारी, गैर सरकारी, निजी संस्थानों एवं पर्यावरण प्रेमियों के माध्यम से आम जनता को जागरूक किया जाए।

पन्नालाल मेघवाल,
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार।

रामगंजमंडी के व्यवसायी का कोटा में नेत्रदान-देहदान संपन्न

कोटा, (निसं)। बहुमुखी प्रतिभा के धनी व समाजसेवी राजकुमार पहाड़िया (71 वर्ष) सुविधा नगर, रामगंजमंडी के निवासी रहे हैं। अधिक उम्र होने के बाद भी साधु संतों की सेवा, प्रतिदिन मंदिर जाना और सत्संग के कार्यक्रमों में जाना उन्होंने कभी नहीं छोड़ा।

थोड़े समय से अस्वस्थ रहने के कारण वह रामगंजमंडी से अपने छोटे बेटे दिलीप के पास में कोटा में आ गये थे, अभी कुछ दिनों पहले ही उन्होंने अपनी पत्नी कुसुम और बेटे भागचंद व दिलीप के सामने अपनी देह को दान करने का संकल्प पत्र भरने की बात रखी। बच्चों के साथ पोतों ने भी तुरंत ही अपने दादाजी की इच्छा को जानते हुए, उनका देहदान संकल्प पत्र भरवा दिया था, इसी बीच अस्वस्थता के कारण शुक्रवार को देर रात उनका कोटा में निधन हो गया। अचानक हुई इस घटना के कारण परिवार

रामगंजमंडी निवासी राजकुमार पहाड़िया के देहदान के समय परिजन उपस्थित रहे।

के सभी लोग शोक में आ गये। थोड़ी देर बाद जब करीबी रिश्तेदार पहुंचे,तब नेत्रदान व देहदान के विषय पर चर्चा हुयी, इसके उपरांत नेत्रदान हेतु तुरंत ही शाइन इंडिया फाउंडेशन के डॉ कुलवंत गौड को संपर्क किया गया,देर रात 11 बज़े डॉ गौड़, ईबीएसआर, कोटा चेप्टर के टेक्नीशियन के साथ मौके पर पहुंचे और नेत्रदान की प्रक्रिया को संपन्न कराया। देहदान की कार्य हेतु परिवार के सदस्यों ने मेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष से बात करके पिताजी के पार्थिव शव को एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, फिर सुबह 10 बजे मेडिकल कॉलेज कोटा को सौंपा गया। रामगंजमंडी निवासी, राजकुमार के पारिवारिक सदस्य मनोज चांदवाड का कहना है कि, राजकुमार जी सिर्फ नाम से ही राजकुमार नहीं थे, दुनिया से जाने के बाद भी उनके नेत्रदान और देहदान जैसे सदकार्यों से वह सदा राजकुमार की तरह ही जाने जा सकेंगे। इसी क्रम में शाइन इंडिया फाउंडेशन द्वारा परिवार के सभी सदस्यों के बीच दोनों बेटों भागचंद,दिलीप, बेटी कविता जैन, भतीजे संजय पांडे जी और बच्चों को नेत्रदान-देहदान के कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। संस्था शाइन इंडिया फाउंडेशन, रामगंजमंडी शाखा के ज्योति-मित्र संजय विजावत ने बताया कि,6 वर्ष पूर्व बाजार नंबर एक निवासी श्रीमति कंचन जैन का भी देवलोक गमन के उपरांत उनके पति गुलाब चंद जी और बच्चों ने इंदौर में उनका देहदान संपन्न कराया था। इस तरह से यह रामगंजमंडी क्षेत्र से दूसरा देहदान है।

सरकारी पशु चिकित्सालय में कार्यरत एलएसए का पूरा परिवार लगा है पशु पक्षियों की सेवा में

नारायणपुर, (निसं)। पशु चिकित्सालय में एलएसए पद पर कार्यरत गोविन्द भारद्वाज और उनका परिवार पर्यावरण व पशु पक्षियों की सेवा में लगे है अब लोग उनका उदाहरण देने लगे हैं। पावटा के पास गांव भाकरी में रहने वाले गोविंद भारद्वाज और उनका परिवार अब तक

- **अबतक 23 हजार बेजुबान पशु पक्षियों का इलाज कर जान बचाई**
- **129 बिन मां के बच्चों को अपने हाथों से दूध पिलाकर पाला**

करीब 23 हजार गाय, मोर, बंदर, नीलगाय जैसे घायल पक्षियों का इलाज कर उन्हें ठीक कर चुके हैं। इसके अलावा 129 नवजात पशु पक्षियों को अपने हाथों से दूध पिला कर पालन पोषण कर चुके हैं जिनकी मां की जन्म के दौरान मृत्यु हो गई। गोविंद कहते है कि भगवान ने मनुष्य और पशु पक्षियों को एक दूसरे के लिए बनाया है।

पशु पक्षी प्रेमी एलएसए गोविंद भारद्वाज और उनका परिवार हिरण के बच्चे को दूध पिलाते हुए।

वन्य जीवों से ही हमारा पर्यावरण रोज सुबह से शाम तक गुजांयमान रहता है। गोविन्द कोटपुतली, पावटा, शाहपुरा, विराटनगर, थानागाजी, नारायणपुर, बानसूर आदि तहसीलों में दिन-रात सेवा में लगे रहते हैं। बीमार घायल पशु पक्षी की सूचना मिलने पर वो ना रात देखते हैं ना दिन बस यही प्रयास करते हैं कि जल्द से जल्द पहुंचे। भारद्वाज ने अब तक 19393 गाय, 1567 नील गाय, 1460 मोर, 1 जरख, 105 बन्दर, 36 लंगूर, 2 गीदड, 2 लोमडी और 500 से अधिक छोटे परिन्दो का उपचार कर उनके जीवन को बचा चुके है। इस पुनीत कार्य में बडे भाई डॉ.गौरीशंकर शर्मा छात्र मोहित शर्मा एवं दिव्या शर्मा जीवो को बचाने में पूरा सहयोग देते हैं। गोविंद भारद्वाज बताते हैं कि बचपन में ही उनकी माता जी का देहांत होने पर मां की सेवा करने का सौभाग्य नहीं मिल सका इसलिए वह गौ माता को और बेजुबान पशु पक्षियों की सेवा को मां की सेवा मानकर कर रहे हैं।

दो साल बाद फिर शुरू हुई हज यात्रा

झुंझुनूं से जाने वाले हज यात्रियों का स्वागत किया व टीके लगाए।

झुंझुनू। दो साल बाद इस बार फिर से हज यात्रा शुरू हुई है। कोरोना के चलते दो साल तक हज यात्रा नहीं हो पाई थी। इस बार राजस्थान से 2300 के करीब मुस्लिम महिलाएं और पुरुष हज के मुकद्दस सफर के लिए 12, 13 व 14 जून को दिल्ली से रवाना होंगे। झुंझुनूं से जाने वाले हज यात्रियों को शनिवार को प्रशिक्षण दिया गया व टीके लगाए गए। इस मौके पर राज्य हज कमेटी के सदस्य रियाज फारूकी मौजूद रहे। झुंझुनूं के हजरत कमरुद्दीन शाह दरगाह में हज पर जाने वाले यात्रियों का टीकाकरण किया गया तथा हज के बारे में बरती जाने वाली संपूर्ण सावधानियां तथा अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। इस मौके पर दरगाह के गद्दीनशीन एजाज नबी तथा पूर्व सभापति खालिद हुसैन भी मौजूद रहे। राज्य हज कमेटी के सदस्य रियाज़ फारुकी ने बताया कि झुंझुनूं जिले से 36 जायरीन हज के जाएंगे। जिनमें 16 पुरुष तथा बीस महिलाएं शामिल है। जिन्हें 72 घंटे पहले तुर्कमान गेट दिल्ली पहुंचना होगा। वहीं पर इनका आरटीपीसीआर होगा। झुंझुनूं के यात्री 13 जून को दिल्ली से रवाना होंगे। फारुकी ने बताया कि राजस्थान से जाने वालों का 12, 13 व 14 जून को फ्लाइट है। जिनमें झुंझुनूं के यात्री 13 जून को मुकद्दस सफर पर रवाना होंगे। इसी तरह पूरे प्रदेश में टीकाकरण व प्रशिक्षण के कार्यक्रम जारी है। जिनमें झुंझुनूं में आज संपन्न हुआ। सीकर में 5 जून को तथा चुरू में 6 जून को आयोजित होगा। इस अवसर पर दरगाह के सज्जादा नशीन एजाज नबी की अध्यक्षता तथा पूर्व सभापति खालिद हुसैन के आतिथ्य में अब्दुल रशीद खोकर, मोहम्मद आफसीन, सज्जाद हैदर ने प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर इनका शानदार स्वागत भी किया गया। इस अवसर पर हज कमेटी की तरफ से हज पर जाने वाले यात्रियों को बैगेज भी वितरित किए गए।

राशिफल रविवार 5 जून, 2022

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2079, आश्लेषा नक्षत्र रात्रि 12:25 तक, व्याघात योग रात्रि 4:48 तक, कौलव करण सांय 5:46 तक, चन्द्रमा रात्रि 12:25 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृष, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मीन, बुध-वृष, गुरू-मीन, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग रात्रि 12:55 तक है। यमघट योग रात्रि 12:25 से सूर्योदय तक है। आज विन्धय वासिनी पूजा, जामित्री षष्ठि है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:19 से 9:01 तक, लाभ-अमृत 9:01 से 12:25 तक, शुभ 2:07 से 3:49 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:14

मेष
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

सिंह
अनगर्ल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी और वाद-विवाद बढ़ने का भय बना रहेगा।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कन्या
अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मकर
परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मिथुन
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित धन प्राप्त होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यक्तिगत कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

तुला
महत्वपूर्ण और अति आवश्यक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कुंभ
अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिनचर्या में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

कर्क
आज शुभ-मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर मिलेगा। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

मीन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौनसिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 14 संख्याः 214 प्रभात हिण्डौन सिटी, रविवार 5 जून, 2022 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

जोधपुर की 403 वर्ष पुरानी प्रसिद्ध तापी बावड़ी को फिर से संवारा जायेगा। केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि, ''हमारी, पूरे देश में जलीय स्रोतों की धरोहरों को संवारने -संजोने की योजना है और इसकी शुरुआत जोधपुर शहर की ऐतिहासिक बावड़ी से की जा रही है।''

403 वर्ष पुरानी तापी बावड़ी को नए सिरे से संवारा जाएगा जोधपुर में

जोधपुर, 4 जून (कासं)। बरसों तक अपने मीठे पानी से लोगों के हलक तर करने वाली जोधपुर शहर की तापी बावड़ी का अब पुनरूद्धार होगा। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के प्रयास से 403 वर्ष पुरानी तापी बावड़ी को अमृत सरोवर योजना के तहत नए सिरे से संवारा जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र जोशी के आतिथ्य में तापी बावड़ी के पुनरुद्धार कार्यक्रम का हवन यज्ञ की पूर्णाहूति के साथ शुभारंभ किया गया।

केन्द्र सरकार द्वारा देशभर में जलाशयों, एनिकट का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही पुरातन काल के जलाशयों, बावड़ियों का पुरूद्धार किया जा रहा है।

दिल्ली में अति आवश्यक मीटिंग के कारण केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। मंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि आज़ादी के अमृत महोत्सव के दौरान जोधपुर के ऐतिहासिक जलाशय,कुएं बावड़ियों

- **केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कहा कि, आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान जोधपुर के ऐतिहासिक जलाशय, कुएं, बावड़ियों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। जिसकी शुरूआत आज अपने शहर से की गई है।**
- **तापी बावड़ी का निर्माण 2 नवंबर 1618 को जोधपुर रियासत के दीवान वीर गिरधरजी व्यास के छोटे भाई नाथोजी व्यास ने अपने पिता तापोजी की स्मृति में कराया था। जब बावड़ी का निर्माण हुआ, तब यह छह खंड (करीब 250 फीट) लंबी और छह खंड गहरी थी। इसकी बाहर से चौड़ाई 40 फीट है।**

का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इसकी शुरुआत आज अपने शहर से की गई है। विश्वराज समूह लखानी परिवार और एबीएमएम माहेश्वरी रिलीफ फाउंडेशन मुम्बई के सहयोग से तापी बावड़ी का पुनरूद्धार किया जा रहा है।

-403 बरस पुरानी है तापी बावड़ी:-तापी बावड़ी का निर्माण 2 नवबंर 1618 को जोधपुर रियासत के दीवान वीर गिरधरजी व्यास के छोटे भाई नाथोजी व्यास ने अपने पिता तापोजी की स्मृति में कराया था। जब बावड़ी का निर्माण हुआ, तब यह छह खंड (करीब 250 फीट) लंबी और छह खंड गहरी थी। इसकी बाहर से चौड़ाई 40 फीट है। इतिहासकारों के अनुसार यह साठ करीब 360 फीट है। तापी बावड़ी के निर्माण में चार वर्ष का समय और 71 हजार एक रुपया खर्च आया था। जब तापी बावड़ी का निर्माण हुआ था, तब इसे देखने के लिए लोगों में बड़ा उत्साह था।

तापी बावड़ी भव्य और कलात्मक है। इसमें कई बरामदे और दरवाजे हैं। लगभग पांच मंजिला बावड़ी के सुंदर खंभों पर भव्य दरवाजे हैं। बावड़ी में अनेक कलात्मक पोलें बनी हैं। इन पोलों की छतों के अंदर के भाग में बहुत ही कलात्मक कार्य हुआ है। तापी बावड़ी का पानी स्वच्छ और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बढ़ते संकट के बीच मुख्यमंत्री ने टाला उदयपुर जाने का कार्यक्रम

कांग्रेस के लिए समस्या बना जी-6 ग्रुप, बाड़ाबंदी से बना रखी है दूरी

जयपुर, 4 जून (का.प्र.)। राज्यसभा चुनाव की मतदान तिथि जैसे-जैसे नजदीक आ रही है वैसे ही कांग्रेस के भीतर दबाव बनता जा रहा है। बसपा से कांग्रेस में विधायक अपनी अपनी मांगों को लेकर सरकार के प्रति नाराजगी जता रहे हैं, वहीं बहुजन समाज पार्टी ने कांग्रेस में आए छह विधायकों को व्हिप जारी कर निर्दलीय सुभाष चंद्रा को वोट देने के निर्देश दिए। विधायकों की लगातार चल रही नाराजगी के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उदयपुर जाने का शनिवार का कार्यक्रम टाल दिया। उधर प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई विधायक उदयपुर पहुंच गए हैं। कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी समस्या बसपा से आए पांच विधायक पैदा कर रहे हैं। ये उदयपुर से दूरी बनाए हुए हैं और सरकार के खिलाफ खुलकर नाराजगी प्रकट कर रहे हैं। इन्हीं के साथ में अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष खिलाड़ी लाल बैरवा ने भी मोर्चा खोल रखा है।

इस बीच बसपा के प्रदेशाध्यक्ष भगवान सिंह बाबा ने 6 विधायकों को व्हिप जारी करते हुए उसमें लिखा है कि आप बहुजन समाज पार्टी के चुनाव चिह्न पर विधानसभा का चुनाव जीते थे, इसलिए पार्टी व्हिप के अनुसार काम करने के लिए बाध्य हैं। राज्यसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी ने कांग्रेस और भाजपा दोनों के उम्मीदवारों का विरोध करने का फैसला किया है। इसके अनुसार बसपा कांग्रेस और भाजपा की नीतियों का विरोध करती है। अत: पार्टी के विधायक अपना वोट निर्दलीय उम्मीदवार को ही देंगे। व्हिप में चेतावनी देते हुए लिखा है कि सभी छहों विधायक कांग्रेस-बीजेपी उम्मीदवारों को वोट नहीं दें, केवल निर्दलीय विधायक को ही वोट दें। ऐसा नहीं करने पर व्हिप का उल्लंघन माना जाएगा और उचित कार्रवाई की जाएगी।

- **दूसरी ओर बसपा ने भी व्हिप जारी कर 6 विधायकों से निर्दलीय को वोट देने के लिए कहा।**
- **डोटासरा पांच अन्य विधायकों के साथ पहुंचे बाड़ाबंदी में।**

हालांकि कानूनी जानकारों के अनुसार बसपा के इस व्हिप का कानूनी औचित्य नहीं है क्योंकि राजस्थान में विधानसभा अध्यक्ष ने बसपा से कांग्रेस में विलय करने वाले सभी विधायकों को कांग्रेस का मानते हुए रिकॉर्ड में लिया है इसलिए तकनीकी रूप से इस व्हिप का कोई मतलब नहीं है, लेकिन क्योंकि इन 6 विधायकों का मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है और सुप्रीम कोर्ट कोई फैसला देता है,तभी इस व्हिप का मतलब माना जाएगा।

दूसरी ओर राज्यसभा चुनाव के बाद राजस्थान में कोई अवसर नहीं देखकर कांग्रेस विधायकों की राज्यसभा चुनावों से पहले नाराजगी खुलकर सामने आ रही है। वादे पूरे नहीं होने और अटके हुए कामों के चलते कई विधायक नाराज हैं। पता चला है कि 15 से ज्यादा विधायक नाराज है।

कांग्रेस की प्रमुख समस्या यह है कि राजेन्द्र गुढ़ा के नेतृत्व में बसपा से आए 5 विधायकों सहित अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष और कांग्रेस विधायक खिलाड़ी बैरवा ने नया ग्रुप बना लिया है। ग्रुप में बसपा से कांग्रेस में आए संदीप यादव, लाखन सिंह मीणा, वाजिब अली, कांग्रेस विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा व खिलाड़ी लाल बैरवा हैं। इन नेताओं ने कहा- उनके साथ न्याय नहीं हुआ। नाराज विधायकों ने अफसरशाही पर काम अटकाने का आरोप लगाया है। मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा लंबित काम नहीं होने के लेकर कई बार अपनी नाराजगी जता चुके हैं। वाजिब अली भरतपुर जिले में कामां-पहाड़ी क्षेत्र में अवैध खनन और घटिया क्वालिटी की सड़कें बनाने का मामला लगातार उठाते रहे।

सुभाष चन्द्रा की जीत की रणनीति

जयपुर, 4 जून (का.सं.)। राज्यसभा चुनाव की 4 सीटों को लेकर 10 जून को होने वाले मतदान को लेकर भाजपा और कांग्रेस अपने अपने विधायकों को लेकर रणनीति बना रही है। वहीं इसके साथ ही निर्दलीय विधायकों को अपने समर्थन में जुटाने का भी प्रयास किया जा रहा है। इसी को लेकर शनिवार शाम भाजपा प्रदेश कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में राज्यसभा चुनाव के प्रत्याशी घनश्याम तिवाड़ी व दूसरे प्रत्याशी सुभाष चंद्रा के साथ भी चर्चा की गई। निर्दलीय विधायकों पर चर्चा की गई कि ज्यादा से ज्यादा निर्दलीय विधायकों को अपने पक्ष में लाकर राज्यसभा चुनाव के लिए सुभाष चंद्रा को विजयी बनाएं। बैठक में भाजपा के विधायकों के प्रशिक्षण शिविर और रविवार को बुलाई गई विधायक दल की बैठक को लेकर भी चर्चा की गई। बताया

- **भाजपा नेताओं ने इस निर्दलीय, परंतु भाजपा समर्थित उम्मीदवार को जिताने के लिये भाजपा प्रदेश कार्यालय में मंथन किया।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने आसाम के मु.मंत्री हिमन्ता बिस्वा पर भ्रष्टाचार का ''गंभीर'' आरोप लगाया

आरोप है कि, हिमन्ता बिस्वा सरमा के आसाम के स्वास्थ्य मंत्री काल में सरकार ने उनकी पत्नी, पुत्र व सहयोगियों से बढ़े दामों पर पी.पी.ई. किट खरीदे

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। असम की भाजपा सरकार इन आरोपों के बाद विवादों में घिर गई है कि, 2020 में, जब करोना वायरस महामारी अपने चरम पर थी, उस समय मुख्यमंत्री हिमन्ता बिस्वा सरमा के परिवार के सदस्यों ने कथित रूप से पी.पी.ई. किट की सप्लाई में गलत तौर तरीके अपनाए थे। यह आरोप दो मीडिया प्रतिष्ठानों द्वारा संयुक्त जाँच के बाद लगाया गया है। इन प्रतिष्ठानों के नाम हैं- नई दिल्ली स्थित ''द वायर'' तथा गुवाहाटी का ''क्रॉस करैन्ट्स।''

चूँकि, चन्द रोज पहले ही दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन पर ई.डी. ने छापा मारा था, इसलिये आप नेता तथा दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने असम के मुख्यमंत्री पर यह आरोप लगाने का अवसर हाथ से नहीं जाने दिया कि, उन्होंने अपनी पत्नी एवं बेटे के व्यवसाय-पार्टनरों को ऊँची दरों पर पी.पी.ई. किट्स की सप्लाई का ठेका दिलाया। सिसोदिया ने कहा, ''भाजपा भ्रष्टाचार की बात करती है तथा विपक्षी दलों के सदस्यों पर निराधार आरोप लगा रही है। मैं भाजपा से पूछना चाहता हूँ कि वह असम के मामले को भ्रष्ट आचरण एवं कार्य मानती है अथवा नहीं।''

कांग्रेस, रायजोर दल और असम जातीय परिषद सहित अन्य राजनीतिक पार्टियों ने इस मामले में ई.डी., सी.बी.आई. और अन्य केन्द्रीय एजेंसियों से एक उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है।

असम के मुख्यमंत्री ने इस आरोप का खण्डन करते हुए सिसोदिया के विरूद्ध आपराधिक मान हानि का एक मुकदमा दायर करने की धमकी दी है। असम के मुख्यमंत्री ने यह कहते हुए सिसोदिया पर पलटवार किया कि,

- **हिमन्ता बिस्वा सरमा ने सिसोदिया पर मान हानि का दावा करने की धमकी दी और कहा कि, उनकी पत्नी या उनके सहयोगियों ने एक पैसा नहीं लिया राज्य सरकार से, बल्कि उनकी पत्नी ने 1500 पी.पी.ई. किट ''फ्री'' राज्य सरकार को दिये।**
- **सिसोदिया ने जानी-मानी वैबसाइट द वायर व गौहाटी की न्यूज एजेन्सी क्रॉस करन्ट में प्रकाशित खबर को अपने आरोपों का आधार बनाया है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिन दहाड़े अपहरण

उदयपुर, 4 जून (कासं)। शहर के भूपालपुरा थाना क्षेत्र में स्थित कोर्ट चौराहा के समीप शनिवार को दो कारों में आए बदमाश अलग-अलग कारों में युवक-युवती का अपहरण कर ले गए। अपहरण किस बात को लेकर हुआ व घटना क्या है, इसका पूरी तरह से अभी खुलासा नहीं हो पाया है। इधर, पुलिस अपहर्ताओं की तलाश में जुट गई है।

- **उदयपुर में दो अलग-अलग कारों में एक साथ बातचीत कर रहे युवक-युवती का अपहरण हुआ।**

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार दक्षिणी सुन्दरवास प्रतापनगर निवासी नवीन कुमार पुत्र गिरधारीलाल सालवी ने भूपालपुरा पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 4 जून सवेरे वह गिर्वा तहसील के बाहर अर्जुन मेडिकल स्टोर के सामने दुकान पर चाय पी रहा था। वहां एक लड़का व लड़की भी मौजूद थे। इसी दौरान दो कारें आई जिनमें सवार करीब पांच छह लड़के नीचे उतरे तथा लड़के के साथ मारपीट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'इकहत्तर प्रतिशत भारतीय नागरिक ''हैल्दी डाइट'' नहीं खा पाते'

सैन्टर फॉर साइन्स एण्ड एन्वायरमैंट द्वारा संग्रहित आंकड़ों की पुस्तिका में यह चौंकाने वाला तथ्य उजागर हुआ

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। अस्वास्थ्यकर आहार के कारण प्रतिवर्ष सत्रह लाख से अधिक भारतीयों की मौत होती है। इससे आहार विषयक रिस्क फैक्टर्स बढ़ते हैं। जैसे अनहैल्दी डाइट से वजन में अनावश्यक बढ़ोतरी होती है या अनपेक्षित तरीके से घटता है। स्टेट ऑफ इण्डियाज़ एनवायरमैंट 2022 की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

सैंटर फॉर साइन्स एण्ड एनवायरमैंट एवं डाउन टु अर्थ मैग़ज़ीन द्वारा प्रकाशित स्टेट ऑफ इण्डियाज़ एनवायरमैंट 2022 की रिपोर्ट कहती है कि, इससे होने वाली बीमारियों में श्वसन तंत्र संबंधी, डायबिटीज़, कैंसर, आघात व कॉरोनरी हार्ट डिज़ीज़ मुख्य हैं।

रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि अस्वास्थ्यकर डाइट का मतलब है, ऐसी डाइट जिसमें फल, सब्जियां और साबुत अनाजों की कमी है। इनमें हाई प्रोसैस्ड मीट, रैड मीट, मीठे पेय पदार्थ भी शामिल हैं। वेट लैवल्स की जो बात है, उसका तात्पर्य इस बात से है कि, व्यक्ति कम वजन वाला, अधिक वजन वाला अथवा मोटा है।

रिपोर्ट में ध्यान दिलाया गया है कि विश्व की 42 प्रतिशत आबादी हैल्दी डाइट का खर्चा वहन नहीं कर सकती और भारत के लिए यह आंकड़ा काफी बड़ा, 71 प्रतिशत है। इसमें सुझाया गया है कि, एक औसत भारतीय के भोजन में फल, सब्जियां, फलियां, साबुत अनाज और बादाम आदि की पर्याप्त मात्रा नहीं होती।

फूड सिस्टम्स और पद्धतियाँ पर्यावरण पर प्रभाव डालती हैं। रिपोर्ट के अनुसार दूध का उत्पादन जहां भारत के अधिकांश ग्रीन हाउस उत्सर्जनों और भू उपयोग के लिए जिम्मेवार है, वहीं अनाजों के उत्पादन में ताजा पानी, नाइट्रोजन और फ़ॉस्फोरस का सर्वाधिक उपयोग होता है।

रिपोर्ट में खाद्य पदार्थों की कीमतों का विश्लेषण भी किया गया है। रिपोर्ट कहती है कि कंज़्यूमर फूड प्राइस इण्डैक्स (सी.एफ.पी.आई.) के हिसाब से पिछले वर्ष मंहगाई में 327 प्रतिशत का इजाफा हुआ है, जबकि कंज़्यूमर प्राइस इण्डैक्स (सी.पी.आई.), जिसमें सी.एफ.पी.आई. भी शामिल है, में 84 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

''डाउन टु अर्थ'' मैगज़ीन के मैनेजिंक एडिटर रिचर्ड महापात्रा कहते हैं, ''खाद्य-पदार्थ सी.पी.आई. को ऊँचाई पर ले जाने वाला बहुत बड़ा कारक/परिवाहक प्रतीत होता है। खाद्य-मँहगाई के वर्तमान उच्च स्तर का कारण रहे हैं- उत्पादन की बढ़ती हुई लागत, फसलों के मूल्यों में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हुई वृद्धि तथा मौसम संबंधी अत्यधिक विघ्न-बाधाएं। वस्तुत:, सी.आर.आई.एस.आई.एल. डेटा का विश्लेषण दर्शाता है कि, मार्च-अप्रैल 2022 में, खाद्य-पदार्थों की कीमतें शहरी क्षेत्रों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा गति से तथा ज्यादा मात्रा में बढ़ी हैं।''

रिपोर्ट आगे कहती है कि, कुछ बेहतरी के बावजूद, आहार और अधिक स्वास्थ्यवर्द्धक नहीं हो रहा है। इसके साथ-साथ, पर्यावरण से की जा रही माँगें बढ़ती जा रही हैं, जबकि कुपोषण के अस्वीकार्य स्तर तो देश में बने ही हुये हैं। हमारे वर्तमान के प्रक्षेप-पथ (ट्रैजेक्ट्री) को जारी रखने की उच्च मानवीय, पर्यावरणीय तथा आर्थिक लागत/कीमत इतनी अधिक है कि हमें इसकी बहुत ऊँची कीमत चुकानी पड़ेगी, कोई भी कार्यवाही न करना हमें बहुत मँहगा पड़ेगा। वैश्विक खाद्य तंत्र,

- **पुस्तिका के अनुसार विश्व में जनसंख्या के 42 प्रतिशत लोग, ''हैल्दी डाइट'' नहीं खा पाते, परन्तु भारत में यह आंकड़ा 71 प्रतिशत है।**
- **पुस्तिका में तुलनात्मक उपभोक्ता फूड प्राइस इन्डैक्स भी प्रकाशित किया गया है, जिसके अनुसार फूड प्राइस इन्डैक्स महंगाई 327 प्रतिशत बढ़ी है गत वर्ष में। तथा ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों की महंगाई में ज्यादा बढ़ोतरी हुई है, शहरी क्षेत्रों की तुलना में।**
- **अनहैल्दी डाइट से वजन में अनावश्यक बढ़ोतरी होती है या अनपेक्षित तरीके से घटता है, जिससे सांस की बीमारी, डायबिटीज़, कैंसर, लकवा तथा हृदय रोग की संभावना में बढ़ोतरी होती है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

82 वर्षीय वृद्धा से दुष्कर्म के प्रयास के बाद हत्या

डूंगरपुर, 4 जून (निसं)। कुंआ थाना क्षेत्र के बावडी गांव में एक युवक ने अपनी पड़ोसी एक 82 वर्षीय बुजुर्ग महिला से जबरदस्ती की कोशिश की। विरोध करने पर उसने महिला के प्राइवेट पार्ट में हाथ घुसा दिया और वहीं चाकू से कई वार कर फरार हो गया। बाद में वृद्धा ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

कुंआ थानाधिकारी ने बताया की बावडी निवासी वसुंधरा पिता राजेन्द्र बामणिया ने रिपोर्ट दर्ज करवाकर बताया कि उसके दादा-दादी कावुडी बावडी गांव में अलग घर में रहते हैं।

- **डूंगरपुर में कुंआ थाना क्षेत्र के बावड़ी गांव में पड़ोसी गांव का एक युवक घर में घुस आया और जब वृद्धा ने विरोध किया तो चाकुओं से गोदकर वृद्धा की हत्या कर दी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सूरतगढ़ क्षेत्र के 54 गांवों के किसान थर्मल प्लांट के गेट पर बैठे

सिंचाई का पानी नहीं मिलने पर दी प्लांट ठप करने की चेतावनी

सूरतगढ़, (निसं)। श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ में सिंचाई के पानी की मांग अब तूल पकड़ने लगी है। 54 गांव और 3 तहसीलों के किसान विरोध में थर्मल पावर प्लांट के गेट पर बैठ गए हैं और वहां सभा की जा रही है, जिसमें भीषण गर्मी में भी सैकड़ों की संख्या में किसान मौजूद हैं। किसानों ने पहले ही थर्मल पावर प्लांट को ठप करने की चेतावनी दी थी। प्रशासन को वार्ता करने के लिए 1 घंटे का अल्टीमेटम दिया था, जिसके बाद प्रशासन ने किसानों को वार्ता के लिए बुलाया है। किसानों के 11 सदस्यों के दल की एडीएम अरविंद जाखड़, एसडीएम कपिल कुमार, तहसीलदार हाबूलाल मीणा की अध्यक्षता में वार्ता हुई।

सभा के दौरान ऐटा सिंगरासर माइनर संघर्ष समिति के संयोजक राकेश बिश्नोई ने सरकार पर अनदेखी व भेदभाव का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आश्वासन देने के बाद भी ऐटा सिंगरासर माइनर को कमांड घोषित नहीं किया। वहीं नोहर-भादरा क्षेत्र को कमांड घोषित कर दिया। किसानों के पास खेती के अलावा आय का और कोई साधन नहीं है। वार्ता के बाद समिति के संयोजक राकेश बिश्नोई ने कहा कि प्रशासन गंभीर नहीं है। किसी भी मांग पर सहमति नहीं बनी है। अधिकारियों ने कहा कि पानी भी नहीं है, ट्यूबवेल भी नहीं है, कनेक्शन भी नहीं है। इस चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार से सारी मांगें मनवाकर रहेंगे। क्षेत्र को कमांड घोषित करना पड़ेगा और पानी देना पड़ेगा। 25 जून को आर-पार की लड़ाई होगी। यदि नहर से पानी नहीं दिया गया तो इस बार थर्मल पॉवर प्लांट को ठप किया जाएगा।

किसानों का कहना है कि आश्वासन के बाद भी सिंचाई के लिए पानी नहीं दिया जा रहा है। कानौर हेड से ऐटा सिंगरासर माइनर नहर निकाली जाए, ताकि 54 गांवों के किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिल सके। किसानों का कहना है कि इनके पास खेती के अलावा आय का और कोई साधन नहीं है। पीने का पानी भी खारा है। किसानों के बीच भाजपा नेता

- **'सरकार ने आश्वासन देने के बाद भी ऐटा सिंगरासर माइनर को कमांड घोषित नहीं किया'**

अभिषेक मटोरिया, भाजपा जिलाध्यक्ष बलवीर बिश्नोई, पूर्व विधायक अशोक नागपाल , राकेश बिश्नोई, नरेंद्र घिंटाला, सुभाष सिहाग, सुमित चौधरी सहित अनेक किसान नेता मौजूद है। सूरतगढ़ अ्एइशिवरतन गोदारा, गंगानगर यातायात शाखा के विक्की नागपाल, तहसीलदार व कार्यपाल मजिस्ट्रेट हाबूलाल मीणा, कपिल कुमार सहित पुलिस जाब्ता मौके पर तैनात हैं।

पूर्व में हुए समझौते के अनुसारसरप्लस पानी को सिंचाई के उपलब्ध करवाया जाएगा। इंदिरा गांधी नहर में सरप्लस 1250 क्यूसेक पानी सरप्लस हो गया। इसके बावजूद सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध नहीं कराया गया था। जून 2017 में फिर कानौर हेड में किसानों के प्रदर्शन के दौरान किसानों को आश्वासन दिया गया था कि ऐटा सिंगरासर माइनर के तहत कृषि कनेक्शन दे दिए जाएंगे। किसानों को अपने स्तर पर बोरवेल करवाने पड़ेंगे। 2500 से अधिक किसानों को कृषि कनेक्शन दे दिए गए था।

जून 2019 में धरने के समय कहा गया कि नहर की रीलाइनिंग चल रही है। इसके बाद सरप्लस पानी सिंचाई के लिए उपलब्ध करवाया जाएगा। जिसके बाद नोहर-भादरा क्षेत्र को सरकार ने कमांड घोषित किया है लेकिन ऐटा सिंगरासर माइनर को सरकार ने कमांड घोषित नहीं किया। जून 2022 तक भी ऐटा सिंगरासर माइनर सिंचाई का पानी नहीं मिलने पर आज किसान फिर एकजुट हुए है। इससे पहले किसानों ने सूरतगढ़ थर्मल पावर प्लांट को ठप करने की चेतावनी दी थी।

चन्द्रा के प्रस्तावक ही भाजपा विधायक तो फिर वह निर्दलीय कैसेः डोटासरा

डोटासरा सहित 6 और विधायक पहुंचे कांग्रेस की बाड़ाबंदी में

उदयपुर, (कासं)। राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की बाड़ाबंदी में शनिवार को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के साथ दो मंत्री और तीन विधायक उदयपुर पहुंचे। इन्हें मिलाकर अब तक कांग्रेस की बाड़ाबंदी में 100 विधायक एवं मंत्री पहुंच चुके हैं इधर बाड़ाबंदी को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने प्रशिक्षण शिविर का नाम दिया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का शनिवार को उदयपुर पहुंचने का कार्यक्रम अंतिम समय पर स्थगित हो गया। संभवतया वे रविवार को उदयपुर आयेंगे।

महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने डोटासरा के साथ मंत्रियों और विधायकों का स्वागत किया। इस मौके पर डोटासरा ने एक बार फिर राज्यसभा के निर्दलीय उम्मीदवार सुभाष चन्द्रा पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि चंद्रा ने निर्दलीय फार्म भरा लेकिन उनके प्रस्तावक भाजपा के विधायक हैं। इससे यह स्पष्ट है कि वे भाजपा के प्रत्याशी है लेकिन विधायकों सहित प्रदेश की आम जनता को गुमराह करने के लिए इस तरह नाटक रचा जा रहा है।

डोटासरा ने विधायकों की नाराजगी और उनके द्वारा दिए बयानों पर कहा कि कांग्रेस सहित सभी

डोटासरा के उदयपुर पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब दिया।

- **कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने किसी बाड़ाबंदी से इंकार करते हुए कहा की राज्यसभा चुनाव के लिए यह एक प्रशिक्षण शिविर है जिसमे कांग्रेस और उसके समर्थक सहभागिता कर रहे हैं**
- **मुख्यमंत्री गहलोत का शनिवार को उदयपुर पहुँचने का कार्यक्रम स्थगित, संभवतया आज उदयपुर आयेंगे**

निर्दलीय विधायक उनके साथ हैं और उन्होंने कोई कार्य मुख्यमंत्री के सामने रखा है तो वह गलत नहीं है। अपनी बात को रखना सभी का हक है। ऐसे में मुख्यमंत्री गहलोत सभी से बातचीत कर रहे हैं लेकिन मनमुटाव जैसी कोई बात नहीं है। इधर बसपा के विधायकों को लेकर पूछे गए सवाल पर डोटासरा ने कहा कि वे अब कांग्रेस के विधायक हैं इसलिए उन्होंने जो भी बात मुख्यमंत्री के सामने कही है वे सभी कार्य पूरे होंगे लेकिन वे सभी विधायक पूर्ण रूप से कांग्रेस के साथ है।

शनिवार को मीडियाकर्मियों ने एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को कई तरह के कार्य हो सकते है लेकिन वह एक दिन बाद आ जाऐंगे। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा डोटासरा के साथ मंत्री लालचंद कटारिया, राजेंद्र यादव, कांग्रेस विधायक अमीन कागजी, रीटा चौधरी और निर्दलीय विधायक रामकेश मीणा शनिवार को उदयपुर पहुंचे। इससे पहले 90 से ज्यादा विधायक ताज अरावली में ठहरे हुए हैं। इनमें कांग्रेस के अलावा कई निर्दलीय और एक बसपा के विधायक भी शामिल हैं। ये सभी विधायक 9 जून तक ताज अरावली में ही रहेंगे। हालांकि अभी भी तीनों सीटों के लिए आवश्यक विधायकों में से लगभग 23 विधायकों का उदयपुर आना बाकी है।

समय पर प्रेक्टिकल अंक नहीं भेजे जाने से सभी छात्राऐं फेल करार, एक साल बर्बाद

झुंझुनूं, (निसं)। चिड़ावा के एक निजी बीएड कॉलेज की लापरवाही के चलते छात्राओं का भविष्य खतरे में पड़ गया है। आरोप है कि महाविद्यालय द्वारा समय पर प्रेक्टिकल अंक नहीं भेजे जाने पर सभी छात्राओं को फेल करार दिया गया है। इस संबंध में छात्राओं ने सीकर में शेखावाटी यूनिवर्सिटी पहुंच धरना प्रदर्शन किया तथा कुलपति के नाम रजिस्ट्रार को महाविद्यालय के खिलाफ ज्ञापन सौंपा।

छात्राओं ने बताया कि वे चिड़ावा में स्थित कॉलेज ने बीएड इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम-2021 में अध्ययनरत हैं। सभी का प्रेक्टिकल इस महाविद्यालय में हुआ और सभी छात्राएं प्रैक्टिकल एग्जाम में उपस्थित थी। लेकिन कॉलेज प्रशासन की ओर से लापरवाही के चलते इन्होंने प्रैक्टिकल अंक संबंधित शेखावाटी यूनिवर्सिटी को तय समय पर नहीं भेजें। जिससे यूनिवर्सिटी ने

आक्रोशित छात्राओं ने शेखावाटी यूनिवर्सिटी पहुंच धरना प्रदर्शन किया।

रिजल्ट में सभी को अनुपस्थित मानते हुए फेल करार दिया। इस दौरान दर्जनों छात्राऐं मौजूद रहीं। छात्राओं का कहना है कि संचालक ने उन्हें पूर्व विद्यार्थी के रूप परीक्षा फॉर्म लगाने की बात कही है। और उन्होंने दावा किया कि वो उन्हें अगली कक्षा में करवा देंगे। जबकि यूनिवर्सिटी की मानें तो पूर्व विद्यार्थी के रूप में वहीं फॉर्म लगा सकता है जो फेल हो चुका है और दुबारा उसी कक्षा को पास आउट करने के लिए फॉर्म लगाए।

डॉ. रवींद्र कटेवा, परीक्षा निदेशक, शेखावाटी यूनिवर्सिटी,सीकर का कहना है कि कॉलेज को अंतिम तिथि तक काफी बार अवगत कराया जा चुका है। बावजूद इसके इन्होंने विद्यार्थियों के अंक नहीं भेजे। इसलिए यह रिजल्ट घोषित किया गया।

रिंकू मान, छात्रा का कहना है कि हमने समय पर प्रैक्टिकल फीस और

- **चिड़ावा के निजी बीएड कॉलेज की लापरवाही की सजा मिलेगी छात्राओं को**

फाइल जमा करवा दी थी बावजूद इसके हमें अनुपस्थित दिखाया गया है।"

पंकज गुर्जर, जिलाध्यक्ष एसएसआई कॉलेज प्रशासन की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अन्यथा धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

नीटू फोगाट, पूर्व छात्रासंघ अध्यक्ष, महिला कॉलेज का कहना है कि छात्राओं का भविष्य बर्बाद करने वाली कॉलेज के खिलाफ ठोस कार्रवाई होनी चाहिए। इसके लिए आगे आएंगे।

एफआईआर दर्ज

अलवर, (निसं.)। दलित शोषण मुक्ति मंच (डीएसएमएम) के प्रदेश सह संयोजक डॉ.रमेश बैरवा के नेतृत्व में 3 जून को प्रतिनिधिमंडल ने अलवर जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जाति पूछ कर दलित परिवार के भोजन को कुत्तों और जानवरों के लिए कूड़े में फेंक देने वाले भागवत कथावाचक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की मांग की।

एफआईआर में लिखा है कि कथावाचक पंडित ने जाति पूछी तो इन्होंने अपनी जाति जाटव बताई। इसके बाद कथावाचक ने इस भोजन को कुत्तों और जानवरों के लिए कहकर कूड़े में फेंक दिया। डीएसएमएम का पुरजोर मानना है कि यह कोई सामान्य घटना नहीं है। कथावाचक का यह कृत्य हिंदू समुदाय में जाति के आधार पर आज भी व्याप्त छुआछूत एवं ऊंचनीच की घृणित मानसिकता का ज्वलंत सबूत है। भागवत कथा के जरिए स्वयं पंडित का ऐसा बर्ताव सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने वाला भी है। कथावाचक के इस व्यवहार से पूरा परिवार अपने आप को व्यथित महसूस कर रहा है।

फर्नीचर फैक्ट्री में लगी आग, करोड़ों का सामान राख

अलवर, (निसं)। नीमराना के इंडियन जोन स्थित हीना क्राफ्ट कंपनी में शुक्रवार देर रात अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। घटना की सूचना आसपास के लोगों ने नीमराना पुलिस को दी। मौके पर नीमराना रीको की दमकल गाड़ी पहुंची। लेकिन फैक्ट्री में आग भीषण लगने के कारण बहरोड़, कोटपुतली, बावल, खैरथल व अन्य जगह से भी दमकल की गाड़ियां बुलाई गई। वहीं कड़ी मशक्कत के बाद दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

थाना प्रभारी प्रेम प्रकाश ने बताया कि शुक्रवार देर रात करीब साढे दस बजे सूचना मिली कि इंडिया जोन में स्थित हिना क्राफ्ट कम्पनी में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर कंपनी में कोई मजदूर तो कार्य नहीं कर रहे इसका पता लगाया और दमकल कर्मियों को आग की घटना की सूचना दी। आग से फैक्ट्री में करोडों रूपए के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। लेकिन पुष्टि जांच के बाद ही हो पाएगी। वहीं फैक्ट्री में जिस समय आग लगी थी इस दौरान वहां पर आग बुझाने के लिए कोई भी संसाधन भी नहीं थे।

इंडियन जोन औद्योगिक क्षेत्र फीडर इंचार्ज सतीश यादव ने बताया कि हिना क्राफ्ट फैक्ट्री में आग लगी थी। उसके पास ही बिजली विभाग का पॉवर हाउस भी स्थित है। ऐसे में उन्हें ये डर सता रहा था कि फैक्ट्री की आग लकडियों के लगती हुई कहीं पॉवर हाउस में न लग जाए। वहीं सूचना पर जापानी जोन औद्योगिक क्षेत्र के कनिष्ठ अभियंता डीपी सिंह ने बिजली बोर्ड पहुंचकर बिजली बोर्ड की स्थिति के बारे में जानकारी जुटाई। फैक्ट्री में आग लगने से 50 प्रतिशत से अधिक तैयार फर्नीचर व लकड़ियां जलकर नष्ट हो गई। वहीं अन्य लकड़ियां व फर्नीचर दमकल कर्मियों व पुलिस कर्मियों की सूझबूझ से बच गई।

राजस्थान हाईकोर्टः प्रतितोष आयोग का अध्यक्ष पद रिक्त, बैठक में विचार विमर्श

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेटस एसोसियेशन, जोधपुर के पदाधिकारियों की बैठक अध्यक्ष नाथुसिंह राठौड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। अध्यक्ष नाथुसिंह राठौड ने बताया कि आज आयोजित बैठक में राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग का अध्यक्ष पद रिक्त होने से मुवकिलों को न्याय प्राप्ति में हो रही देरी पर विचार विमर्श करते हुए मुख्य सचिव राजस्थान सरकार एवं सचिव खाद्य एवं नागरिक अपूर्ति व उपभोगता मामलात विभाग जयपुर को ज्ञापन प्रेषित किया गया।

ज्ञापन में मांग की गई कि राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग अध्यक्ष बनवारी लाल शर्मा का कार्यकाल गत 6 मई को पूर्ण हो गया और नियमानुसार राज्य सरकार को उनकी सेवा अवधि समाप्ति से छह माह पूर्व यानी गत नवंबर माह में ही अध्यक्ष पद को भरने की प्रक्रिया प्रारंभ कर विज्ञापन जारी करवाना था, लेकिन खाद्य एवम नागरिक आपूर्ति विभाग, जिसके जिम्मे उपभोक्ता आयोग का समस्त कामकाज है,की ओर से अभी तक रिक्त हुए अध्यक्ष पद को भरने की कोई प्रक्रिया प्रारंभ ही नहीं की गई है जिससे उपभोगता मामलों के निस्तारण में देरी हो रही है।

उपभोक्ता संरक्षण नियम 2020 में यह प्रावधान किया गया है कि राज्य सरकार द्वारा नियुक्ति की प्रक्रिया पद रिक्त होने से कम से कम छह माह पूर्व आरंभ की जाएगी और इसके वास्ते रिक्तियों का आवेदन आमंत्रित करने के वास्ते विज्ञापन को प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित कराया जाएगा लेकिन अभी तक इस संदर्भ में कोई कार्यवाही प्रारम्भ नहीं की गई है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों को यह निर्देश दिए जाने कि उपभोक्ता आयोगों में अध्यक्ष और सदस्य पद रिक्त होने के छह माह पूर्व से उनको भरने की कार्रवाई प्रारंभ कर दी जानी चाहिए, जिससे कि पद रिक्त होने की वजह से न्याय में देरी न हो और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम का उद्देश्य समाप्त न हो। परंतु राज्य सरकार के खाद्य एवम नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलात विभाग पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

इस संदर्भ में मांग की गई कि राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में अध्यक्ष पद पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार शीघ्र नियुक्ति किये जाने का कार्यवाही करावें जिससे मुवकिलों को त्वरित न्याय की प्राप्ति हो सके। बैठक में अध्यक्ष नाथुसिंह राठौड, उपाध्यक्ष रतनाराम ठोलिया, महासचिव दर्शनराम, सहसचिव कैलाश कुमार प्रजापत, पुस्तकालय सचिव भगवती पंवार, कोषाध्यक्ष कंवरलाल विश्नोई अधिवक्ता सहित अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

चोरी के दो शातिर आरोपी गिरफ्तार

फुलेरा, (निसं.)। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक मनीष अग्रवाल के द्वारा अवैध गतिविधियों की रोकथाम एवं वांछित अपराधियों की धरपकड हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत ॅ गठित टीम ने तुरन्त कार्रवाई करते हुए चोरी करने के दो शातिर आरोपियों को मात्र 24 घंटे में ही गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी रघुवीर सिंह राठौड ने बताया कि फुलेरा में रेलवे ऑवर ब्रिज 0.01 के चल रहे निर्माण कार्य के पास से 1 जून 2022 की रात्रि को अज्ञात चोरों के द्वारा 20 एम एम के लोहे के सरिये काटकर चोरी कर ले जाने का मामला थाने पर 2 जून को दर्ज करवाया गया। पुलिस टीम ने विक्रम पुत्र कैलाश चन्द जाति सांसी व विष्णु पुत्र इंद्रजीत जाति सांसी उम्र 20 वर्ष को गिरफ्तार किया गया।

हाईकोर्ट ने परीक्षा रद्द कर राज्य सरकार को सौंपा नाकारापन का सर्टिफिकेटः देवनानी

अजमेर, (कास)। पेपर लीक के चलते कनिष्क न्यायायिक सहायक, कनिष्क सहायक एवं क्लर्क भर्ती परीक्षा रद्ध होने पर पूर्व शिक्षा मंत्री एवं वर्तमान अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी ने राज्य सरकार को आडे हाथों लिया। देवनानी ने कहा कि प्रदेश में सालभर के दौरान पांच बड़ी प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित हुई, जिसमें से एक कनिष्क न्यायायिक सहायक, कनिष्क सहायक एवं क्लर्क भर्ती परीक्षा को पेपर लीक होने के चलते हाईकोर्ट को रद्ध करना पड़ा। हाईकोर्ट द्वारा यह बडी भर्ती परीक्षा रद्ध करना कहीं न कहीं राज्य सरकार को नाकारापन का सर्टिफिकेट है। प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ हो रहे खुलमखुल्ला खिलवाड़ को रोक सकने में नाकाम नाकारा सरकार को सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है।

देवनानी ने कहा कि कांग्रेस सरकार प्रश्न-पत्र लीक मामलों में नया कीर्तिमान स्थापित करती जा रही है। गत 1 वर्ष में प्रदेश में एसआई, रीट, जेईएन, पुस्तकालय अध्यक्ष ग्रेड-3 और कनिष्क न्यायायिक सहायक, कनिष्क सहायक एवं क्लर्क इत्यादि आधा दर्जन प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन हुआ। हर एक परीक्षा का पेपर आउट होने के समाचार सामने है। चौकाने वाली बात तो यह है कि जो कार्य राज्य सरकार को करना चाहिए था वह उच्च न्यायालय को करना पड़ा। साल भर में आयोजित परीक्षाओं में साफ तौर पर प्रश्न-पत्र लीक के प्रमाण मिल चुके है फिर भी राज्य सरकार अब तक पेपरों को लीक घोषित करने से बच रही है।

उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार और उसमें बैठी बड़ी 'मुर्गियों' की मिलीभगत के चलते पेपर लीक प्रकरण से जुड़े गिरोह के हौंसले बुलंद हैं। लीक प्रकरण के अहम दोषी आज भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। रीट परीक्षा प्रश्न पत्र लीक प्रकरण के अहम दोषी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष जारौली आज भी फरार चल रहे हैं। राज्य सरकार इन सभी प्रकरणों की निष्पक्ष सीबीआई जांच कराए तो काला सच सबके सामने आना तय है।

17 क्विंटल अफीम व डोडा-चूरा जब्त, एक गिरफ्तार

आरोपी सीमेंट की आड़ में ट्रेलर में कर रहे थे डोडा-चूरा परिवहन

निंबाहेड़ा, (निसं)। निंबाहेड़ा में पुलिस ने शनिवार को कार्यवाही करते हुए सीमेंट की आड में ट्रेलर में डोडा-चूरा परिवहन करते एक आरोपी गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक चित्तौड़गढ़ प्रीति जैन द्वारा अवैध मादक पदार्थ की धरपकड़ व रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत कैलाश चन्द सांदू अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) चित्तौड़गढ़ व आशीष कुमार पुलिस उप अधीक्षक वृत निम्बाहेड़ा के निर्देशन में तुलसीराम पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी सदर निम्बाहेडा मय टीम एन.डी.पी.एस. एक्ट में वांछित अभियुक्त की तलाश करता हुए सिदवंडी चौराहे सरहद रावलिया पहुंची।

इस दौरान सिंदवडी की तरफ से एक ट्रेलर को रोकना का ईशारा किया।इस दौरान ट्रेलर चालक पुलिस को देखकर ने ट्रेलर को चित्तौड़गढ़ की तरफ भागने लगा। ट्रेलर संदिग्ध प्रतीत होने से तत्काल उक्त ट्रेलर के आगे गाडी लगा ट्रेलर को

सदर थाना पुलिस ने डोडा-चूरा को जब्त किया।

रोका गया। चालक से पूछताछ करने पर चालक ने अपना नाम खेमाराम पिता रूपाराम जाति जाट उम्र 27 साल निवासी कुण्डावा थाना धोरीमना जिला बाडमेर (राज.) होना बताया।

ट्रेलर को खोलकर देखा तो अन्दर सीमेन्ट के भरे हुये कट्टों के नीचे बीच में प्लास्टिक के काले कुल 83 कट्टे मिलें जिनमें अवैध अफीम डोडा-चूरा होना पाया गया। उक्त 83 प्लास्टिक के कट्टों का तौल करने पर कट्टों में भरे अवैध अफीम डोडा-चूरा का कुल वजन 17 क्विंटल 67 किलोग्राम पाया गया।। उक्त अफीम डोडा चूरा, सीमेंट के कट्टो व ट्रेलर को जब्त किया आरोपी खेमाराम को गिरफ्तार किया गया। बताया गया की एन.डी.पी.एस. एक्ट में प्रकरण पंजीबद्ध कर अवैध अफीम डोडा चूरा खरीद फरोख्त के संबंध में अठिाम अनुसंधान कैलाशचन्द्र सोनी पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी थाना कोतवाली निम्बाहड़ा द्वारा किया जा रहा है।

अजमेर डिस्कॉम ने 1657 जगह बिजली चोरी पकड़ी

अजमेर, (कास)। अजमेर डिस्कॉम की टीम ने एक साथ 9174 जगहों पर छापा मारा। इनमें 1657 जगहों पर बिजली चोरी तथा 404 जगहों पर बिजली के दुरूपयोग के मामले सामने आए। इन पर 4.45 करोड़ रूपये जुर्माना लगाया गया है।

निगम के प्रबन्ध निदेशक एनएस निर्वाण ने बताया कि निगम की ओ एण्ड एम व विजिलेंस शाखा के अलावा मीटर एण्ड प्रोटेक्शन शाखा के अभियंताओं को भी सतर्कता जांच करने के लिए निर्देशित किया गया है। निगम ने इनके विरुद्ध 4.45 करोड़ रूपये का जुर्माना लगाया है। डिस्कॉम की टीम को यह बड़ी सफलता मिली है। निर्वाण ने बताया कि डिस्कॉम की टीम में सबसे अधिक झुंझुनू जिले के अभियंताओं ने 256 विद्युत चोरी के मामले पकड़े जिन पर 48.43 लाख रूपये जुर्माना लगाया। इसके अतिरिक्त अजमेर शहर वृत में 13 मामलों पर 2.05 लाख, अजमेर जिलावृत में 26 मामलों पर 3.42 लाख, भीलवाड़ा में 47 मामलों पर 25.22 लाख सहित कई जिलों में जुर्माना लगाया है। आने वाले समय में अभियान को और गति दी जाएगी।

दहेज में मोटरसाइकिल नहीं मिलने पर विवाहिता को पीट-पीट कर मार डाला

मोटरसाइकिल पर शव लेकर जा रहे थे, ग्रामीणों ने पकड़ा

भरतपुर, (निसं) । भरतपुर जिले के चिकसाना थाना इलाके में रहने वाले दहेज के लोभियों ने मोटरसाइकिल नहीं मिलने के कारण एक 23 साल की महिला को मौत के घाट उतार दिया। महिला के पिता का आरोप है कि उनकी बेटी की ससुराल वालों ने जमकर पिटाई की जिससे उसकी मौत हो गई। ससुराल वाले महिला का शव जलाने के लिए शव को मोटरसाइकिल पर लेकर जा रहे थे। तभी ग्रामीणों ने उन्हें पकड़ लिया और पुलिस को बुलाकर महिला के पति और उसके जेठ को पुलिस के हवाले कर दिया।

घटना बछामदी गांव की है, मथुरा जिले के बाजना इलाके की रहने वाली दो बहनें हेमा 26 साल और छोटी बहन सुधा 23 साल की शादी 5 साल पहले चंदन और गोविंद से हुई थी, दोनों भाई मजदूरी करते हैं। दोनों लड़कियों के पिता ने दहेज में बेटियों को अलग-अलग सामान दिया, लेकिन

चिकसाना के गांव बछामदी में महिलाओं का रो-रो कर बुरा हाल है।

मोटरसाइकिल एक ही दी। हेमा तो शादी के बाद ससुराल आ गई लेकिन उस समय सुधा की उम्र 19 साल थी । इसलिए पिता ने सुधा का गौना कर उसे डेढ़ साल पहले ही ससुराल भेजा, 1 महीने पहले सुधा का पति गोविंद अपनी पत्नी से मोटरसाइकिल की मांग करने लगा, वह उसे मारने पीटने लगा, सुधा ने अपने पिता को घटना के बारे में बताया जिसके बाद पिता ने कहा कि वह सुधा के पति को किश्तों पर लेकर मोटरसाइकिल दिला देगा। इसी बीच हेमा के पति ने हेमा की पिटाई कर दी और उसे पीहर छोड़कर चला गया।

सुधा के पति गोविंद ने फिर से सुधा की पिटाई की और उसके पिता लक्ष्मण को फोन किया, गोविंद ने लक्ष्मण से कहा कि वह या तो मोटरसाइकिल लेकर आए या फिर 1 लाख रुपए लेकर आए। सुधा के पिता गोविंद किसी काम से फरीदाबाद गए हुए थे । सुधा के पिता ने कई बार अपनी बेटी को फोन किया लेकिन सभी के फोन बंद आ रहे थे।

शाम के समय गोविंद के जीजा ने सुधा के पिता लक्ष्मण को फोन कर कहा कि आपकी बेटी खत्म हो गई है। ग्रामीणों की सूचना पर चिकसाना थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर दोनों भाइयों को हिरासत में ले लिया। जब सुधा के पिता बेटियों की ससुराल पहुंचे तो पता लगा उनकी बेटी का शव पुलिस के कब्जे में है, आज शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव सुधा के परिजनों को सौंप दिया गया। सुधा के पिता ने अपनी बेटी की दहेज हत्या का मामला दर्ज करवाया है।

परीक्षा में अव्वल आने पर भरतपुर की बेटी का किया सम्मान

भरतपुर (निसं) । संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर 93वी रैंक प्राप्त कर भारतीय प्रशासनिक सेवा में अपनी कड़ी मेहनत व लगन से चयनित अग्रवाल समाज की व भरतपुर की बेटी दीपेश कुमारी का सम्मान आज किया गया स इस अबसर पर दीपेश कुमारी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यदि कड़ी मेहनत के साथ सच्ची लगन के साथ तैयारी की जावे तो साधारण परिवार के बच्चे भी सफल होते हैं बस गुरु जनों व माता पिता का उचित मार्ग दर्शन आवश्यक है स उन्होंने गरीब व साधारण परिवार के होनहार बच्चों व जरूरतमंदों की हमेशा मदद करने का आश्वासन दिया

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अनुराग गर्ग, महिला जिलाध्यक्ष विनीता गुप्ता, युवा अध्यक्ष विप्पेंद्र बंसल, जिला कोषाध्यक्ष विनोद सिंघल, जवाहर नगर इकाई के महामंत्री राकेश गुप्ता, महिला महामंत्री शोभा कंसल, शंकर लाल गुप्ता, होम चंद कंसल, विशन गुप्ता, माणिक चंद गुप्ता सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे ।

चिकित्सक व चिकित्साकर्मी के नदारद रहने से मरीज परेशान

टोडाभीम (नि.सं.)। राज्य सरकार द्वारा भले ही सरकारी चिकित्सालय में उपचार करवाने आने वाले रोगियों के लिए कितनी भी सुविधाए दी जा रही हो उसके बावजूद भी कस्बे के राजकीय चिकित्सालय में हालत सुधरने का नाम नही ले रहे है। हलाकि क्षेत्रीय विधायक स्थानीय होने एवं पालिका क्षेत्र से होने से क्षेत्र के लोगों को उम्मीद थी की अब क्षेत्र के लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाओं के लिए इधर-उधर भटकना नही पड़ेगा लेकिन चिकित्सालय में चिकित्सकों व चिकित्साकमिर्यों की मनमानी के चलते चिकित्सालय में उपचार करवाने आये रोगियों को उपचार के लिए भटकना पड़ रहा है।

सरकारी चिकित्सालय में चिकित्सकों व चिकित्साकर्मियों के नदारद रहने से रोगियों को उपचार के लिए भटकना पड़ रहा है।

उपखंड मुख्यालय पर स्थित 50 बैड के चिकित्सालय में उपचार करवाने आने वाले रोगियों को भरी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। आप पार्टी के करौली जिला प्रभारी आशाराम मीना अपनी सोनोग्राफी करवाने के लिए प्रात करीब 9:45 बजे कस्बे के राजकीय चिकित्सालय में ओपीडी में चिकित्सकों के नही होने एवं सोनोग्राफी कक्ष के बाहर रोगियों की लंबी कतार लगी हुइ थी लेकिन सोनोग्राफी कक्ष में 9: 44 बजे तक चिकित्सक के नही आने से रोगियों को इस भीषण गर्मी में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ हैं। जिसकी शिकायत एसडीएम दुर्गाप्रसाद मीना से की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि चिकित्सलय में सोनोग्राफी कक्ष में गया तो वहां डयूटी पर कार्यरत चिकित्सक नदारद मिला लेकिन हद तो तब हो गई जब वह चिकित्सकों के डयूटी रूम में गया तो वहां भी डयूटी पर कार्यरत चिकित्सक भी अपनी डयूटी से गायब मिला। उन्होंने जानकारी पर बताया की स्थानीय चिकित्सालय में ज्यादातर चिकित्सक व चिकित्साकर्मी अपनी डयूटी से गयब रहते है जिससे चिकित्सालय में उपचार करवाने आये रोगियों को उपचार के लिए भटकना पड़ रहा है। कस्बे के सामुदायिक चिकित्सालय में आमजन को कोई समुचित सुविधाए नही मिल पा रही है। कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के हालत इस कदर बिंगड़े हुए है रात के समय की तो बात ही छोड़िये दिन में भी चिकित्सक व चिकित्साकर्मी अपनी डयूटी से नदारद रहते है। कस्बे के सामुदायिक चिकित्सालय में कार्यरत चिकित्सकों की मनमर्जी के चलते रोगियों को समुचित सुविधाए नही मिल पा रही हैं। उपखंड मुख्यालय के चिकित्सालय के हालत इतने दयनीय बने हुए है की यह उपचार करवाने वाले रोगियों को सुविधाओं के नाम पर न तो पर्याप्त निशुल्क दवाये मिला पाती है और ना ही निशुल्क जांचों का लाभ भी नही मिल प् रहा है। सबसे दिलचस्प बात तो यह है की चिकित्सालय में ओपीडी के समय चिकित्सकों की शह पर निजी लैब संचालक मरीजों के इंतजार में खड़े रहने का आरोप भी लगाया गए तथा अपने मोटे कमीशन के चक्कर में निशुल्क जाँच की सुविधा होने के बाद भी निजी लैबो पर जाँच करवाने की रोगियों को सलाह दी जाती है।

किसान सम्मेलन में भाग लेने के लिए संपर्क किया

मासलपुर (निंसं.) श्रीमहावीरजी में आगामी 10 जून को आयोजित प्रतिमा अनावरण समारोह एवं किसान सम्मेलन में मासलपुर क्षेत्र से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए शनिवार को गुर्जर समाज के लोगों ने दर्जनों गुर्जर बाहुल्य गांवों में जनसंपर्क किया। जिला कांग्रेस के पूर्व सचिव दुर्गा प्रसाद गुर्जर,हरस्वरूप,दरब सिंह,हंसू पटेल,समंदर हवलदार, गोपाल आदि दर्जनों लोगों ने क्षेत्र के पितरामपुरा, खूबपुरा, सकलूपुरा, कोरीपुरा, सीरियापुरा, भौजपुर, सींगनपुर, जमूरा आदि सैकड़ों गांवों में गुर्जर समाज के लोगों से संपर्क कर पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट द्वारा शहीद प्रतिमा अनावरण किए जाने एवं किसान सम्मेलन को संबोधित किए जाने की जानकारी देते हुए कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की। बताया गया कि जहां सचिन पायलट द्वारा शहीद हनुमंत सिंह एवं शहीद विमल सिंह की प्रतिमाओं का अनावरण किया जाएगा उसके बाद पायलट द्वारा एक विशाल किसान सम्मेलन को संबोधित किया जाएगा।

सार-समाचार

सभा स्थल का जायजा लिया

ढिढोरा (नि.सं.)। ग्राम ढिंढोरा में आयोजित होने वाली किसान महापंचायत के सभा स्थल की तैयारियों का अवलोकन किसान संघर्ष समिति के प्रदेश महामंत्री भरत सिंह डागुर तथा सदस्य प्रोफेसर महेश जोशी, दामोदर डागुर, घनश्याम पहलवान, साहब सिंह डागुर आदि द्वारा किया गया। इस महापंचायत में आसपास एवम् दूरदराज के हजारों किसान भाग लेंगे । इस महापंचायत का मुख्य उद्देश्य पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिलाने का है। इस दौरान किसान संघर्ष समिति के प्रदेश महामंत्री श्री भरत सिंह डागुर तथा सदस्य प्रोफेसर महेश जोशी, दामोदर डागुर, घनश्याम पहलवान, साहब सिंह डागुर आदि मौजूद रहे ।

हादसों में 4 जने घायल

वैर । बल्लभगढ़ रोड पर दो अलग अलग हादसों में चार जने घायल हो गए।जिनको उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया ।हालत गंभीर होने पर 3 जनों को भरतपुर रैफर कर दिया। वैर बल्लभगढ़ रोड पर हाथोडी के पास क्रेटा गाड़ी पलटने से तीन जने घायल हो गए।जिनमें रायपुर निवासी लखन पुत्र भंवर,राजेश पुत्र निरंजन व कुलदीप पुत्र कलुआ घायल हो गए।परिजन उपचार के लिए सीएचसी वैर लेकर आए ।जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायल लखन व राजेश को रैफर कर दिया वहीं दूसरा हादसा भी बल्लभगढ़ रोड पर रॉयल्टी नाके के पास हुआ।जहां स्कूटी सवार कस्बा वैर निवासी बंटू सैनी अनियंत्रित होकर पत्थरों पर गिर गया।जिसे घायल होने पर उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया ।हालत गंभीर होने उसे भरतपुर रैफर कर दिया।

फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

बयाना । कोतवाली पुलिस ने एक अपराधिक मामले में तीन साल से फरार स्थाई वारंटी को गिरफतार कर पूछताछ षुरू की है। कोतवाली प्रभारी हरिनारायण मीणा ने बताया गिरफ्तार आरोपी ओमप्रकाष राजपूत निवासी धौलपुर है। जिसे धौलपुर से गिरफतार किया है।

गांवों में नहीं पहुंच रहा चंबल का पानी

भरतपुर (निसं) । भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की बैठक भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष भानू प्रताप राजावत के मुख्य अतिथ्यि एवं जिला अध्यक्ष मोहन रारह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई जिससे भरतपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में भीषण गर्मी में पेयजल की गम्भीर समस्या है। ग्रामीण क्षेत्र में चम्बल की पाईप लाईन डालकर पक्के रास्ते को क्षतिग्रस्त तो कर दिया है लेकिंन गॉवों में चम्बल का पानी नहीं पहुच पा रहा है। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी जन कल्याणकारी योजना जल जीवन मिशन के तहत गॉब-गॉब में पेयजल टंकी एवं पाइप लाइन डालने के कार्य में गम्भीर लापरवाही बरती जा रही है। मोदी सरकार द्वारा जल जीवन मिशन योजना में पर्याप्त राशि 83 करोड रूपये आवंटन करने के बाबजूद भी इस भीषण गर्मी में राज्य सरकार और कर्मचारियों की लापरवाही की वजह से सम्पूर्ण भरतपुर जिला पेयजल के लिए तरस रहा है। गॉब-गॉब में पेयजल की समस्या के निस्तारण हेतु दिनांक 06 जून 2022 को सुबह 10 बजे कलेक्ट्रेट के सामने धरना प्रदर्शन किया जाएगा ।

ग्रीष्मावकाश में स्कूल संबंधी सूचनाएं मांगने का शिक्षक संघ ने किया विरोध

भरतपुर (निसं) । राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) भरतपुर प्रथम की जिला शाखा एवं उप शाखाओं के पदाधिकारियों की बैठक, प्रदेश सभाध्यक्ष अशोक पाराशर की अध्यक्षता एवं प्रदेश संरक्षक श्यामसिंह जघीना के मुख्य आतिथ्य में आज एसबीके राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय भरतपुर में आयोजित की गई।

जिसमें ग्रीष्मावकाश होने के बावजूद निदेशालय बीकानेर द्वारा विद्यालय संबंधी विभिन्न सूचनाएं व कार्य करने के प्रति दिन जारी होने वाले आदेशों का राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) ने कड़ा विरोध किया है संगठन के जिलाध्यक्ष बाबूलाल कटारा ने बताया की विद्यालय संबंधी समस्त कार्य व सूचनाओं का संकलन जुलाई माह से ही किया जाना चाहिए । शिक्षा विभाग द्वारा 17 मई से सभी शिक्षकों के लिए ग्रीष्मावकाश घोषित किया हुआ है । बैठक के बाद नव पदोन्नत

■ **'समस्त सूचनाओं का संकलन जुलाई में ही किया जाये'**

शिक्षाधिकारी अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक (समसा) अनित शर्मा एवं जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक मुख्यालय आर.डी बंसल का संघ की ओर से साफा बांधकर एवं माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया बैठक में प्रदेश पदाधिकारी गजेंद्रसिंह शर्मा जिला संरक्षक बच्चूसिंह शर्मा, संरक्षक मुरारीलाल शर्मा, उपाध्यक्ष संस्कृत मदनमोहन शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष मुकेश पाराशर, जिला मंत्री होतीलाल जैमन, ब्लॉक अध्यक्ष नगर जगदीश लवानियां, ब्लॉक उपाध्यक्ष टीकम सिंह, ब्लॉक मंत्री भूपेंद्र शर्मा, ब्लॉक कोषाध्यक्ष महेंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष ब्लॉक सेवर सत्येन्द्र झीलरा आदि अनेक पदाधिकारी मौजूद थे ।

पैंथर ने किया पडिया पर हमला

वैर । उपखंड के गांव हाथोडी में जंगली जानवर ने एक पडिया को अपना शिकार बना लिया। जिसकी जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। जिस पर वन विभाग के अधिकारी और कार्मिकों ने मौके पर पहुंचकर मृत बछड़ी के शव का पोस्टमार्टम करवाया और जानवर के पद मार्क देख पैंथर होने की आशंका जताई।

जिस पर ग्रामीणों में दहशत देखने को मिली। वन विभाग के अधिकारी वनपाल नरेशसैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि गांव हाथौड़ी में एक पड़िया को को जंगली जानवर द्वारा शिकार बना लेने की जानकारी प्राप्त हुई। जिस पर बंद करनी देवेंद्र सिंह , भगवान सिंह, व गिरवर को साथ लेकर तुरंत मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

जहां मृत पड़िया के शव को कब्जे में लेकर वैर वन विभाग की नर्सरी पर में लाया गया। जहां गांव जीबद के पशु चिकित्सक के पशु चिकित्सक डॉक्टर मुकेश मीना द्वारा पोस्टमार्टम कार्रवाई की। वही वन विभाग के कार्मिकों ने जानवर के पद मार्क लेते हुए उच्च अधिकारियों को अवगत करवाया। जहां पद मार्क से पैंथर होने की आशंका जताई गई।

चौपाल में महिलाओं को केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी

सवाई माधोपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र शासन में भाजपा के 8 वर्ष पूर्ण होने पर मनाए जा रहे सेवा पखवाड़े के तहत भाजपा महिला मोर्चा सवाई माधोपुर द्वारा जिला एवं मंडल स्तर पर महिला चौपालों का आयोजन कर एवं घर घर जाकर केंद्र सरकार की योजनाओं के पत्रक वितरित किए जा रहे है।

■ **घर घर जाकर केंद्र सरकार की योजनाओं के पत्रक वितरित किए जा रहे है**

आशा शर्मा जिला अध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा के हवाले से जिला महा मंत्री महिला मोर्च ने बताया कि शनिवार को जिला मुख्यालय पर आयोजित चौपाल कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष आशा ने बताया कि 8 वर्ष के कार्यकाल में सुशासन गरीब कल्याण

भाजपा सरकार के आठ साल पूरे होने पर सवाई माधोपुर में महिलाओं की चौपाल आयोजित की गई। इस चौपाल में योजनाओं की जानकारी दी।

योजनाएं एवं महिला सशक्तिकरण को लेकर केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं को संकल्पित एवं साकार किया गया है।

चौपाल में महिलाओं को केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई एवं बताया कि महिलाओं को सशक्त करने की योजनाओं का लाभ घर-घर तक केंद्र सरकार द्वारा पहुंचाया जा रहा है इस अवसर पर महामंत्री सीमा गौतम, जिला मंत्री सावित्री शर्मा, जिला भाजपा कार्यकर्ता विद्या यादव प्रेम साहू हेमलता शर्मा पुष्पा साहू चारू शर्मा कमला शर्मा वर्दी देवी नीतू शर्मा परी सोनी तनु शर्मा राम सोनी सहित कई महिलाएं मोर्चा की बहनें उपस्थित मौजूद रही।

उत्कृष्ट परिणाम देने पर जाट महासभा ने किया होनहार का सम्मान

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। शहर के मोहन नगर में स्थित निर्मल शिक्षण संस्थान द्वारा विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग में संभाग का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने पर संस्थान की प्रबंध कमेटी व मेधवी विद्यार्थी का सम्मान किया गया। जाट महा सभा के शिव सिंह सेजवाल व सत्र 2021-22 में 43 प्रतिभावान विद्याथिर्यों ने 90 से ऊपर अंक अर्जित किए। वही छात्रो ने संस्थान का जिले के साथ-साथ राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में नाम रोशन किया। निर्मल संस्थान द्वारा विगत कई वर्षों से श्रेष्ठ परिणाम दिया। जाट समाज के पदाधिकारियों ने संस्थान के राजेंद्र चौधरी, निदेशक मनीष चौधरी प्रशांत चौधरी, प्रधानाचार्य किंदूरी लाल एवं विज्ञान वर्ग में 98.40 प्रतिशत के साथ राजस्थान में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र अरुण अवस्थी एवं उनके पिता खूबी राम शर्मा का साफा एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया। समाज के पदाधिकारियों ने निर्मल संस्थान की संस्थापिका स्वर्गीय श्रीमती निर्मला देवी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। जाट समाज द्वारा किये सम्मान कार्यक्रम में युवा जाट महासभा प्रदेश सचिव शिव सिंह सेजवाल ,युवा जाट समाज 84 ब्रांच 24 अध्यक्ष राम प्रकाश डागुर, युवा जाट समाज 84 ब्रांच 11 गांव अध्यक्ष बजरंग फौजदार, युवा जाट समाज 84 उपाध्यक्ष प्रियाकांत बेनीवाल, युवा जाट समाज 84 ब्रांच 11 गांव संरक्षक ओम प्रकाश खेड़ा, युवा जाट महासभा प्रदेश सदस्य मानवेंद्र डागुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के प्रधानाचार्य किंदुरी लाल द्वारा पधारे सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

आयुर्वेद चिकित्सालय को आवश्यक सामान दिया

मासलपुर (निंसं.) । मासलपुर के आयुष चिकित्सालय को स्थानीय दान दाताओं ने चिकित्सालय की आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए दान दिया जा रहा है। आयुर्वेद चिकित्साधिकारी रमणस्वरूप लवानिया ने बताया की मासलपुर के नवीन आयुर्वेद चिकित्सालय को दानदाताओ वीरेंद्र सोनी ने 2 छत के पंखा,नरेंद्र अग्रवाल ने 1 छत पंखा,राम जी लाल व्यास ने 4 प्लास्टिक कुर्सियाँ,केशव लवानिया ने रिवोल्बिंग लोहे का स्टूल,पिंटू लवानिया ने 1 प्लास्टिक स्टूल, सतीश सारस्वत ने दीवाल घडी भेंट की। उन्होने बताया की नवीन चिकित्सालय भवन के रंग रोगन और किवाड,खिडकियों की मरम्मत के लिए स्थानीय लोगों द्वारा अर्थिक सहयोग दिया गया ग्राम पंचायत की सरपंच शिवानी लवानिया द्वारा साफ सफाई और भव्य उद्घाटन समारोह कराया गया।

आर्मी स्कूल में ''सबरंग'' समर कैंप की धूम

भरतपुर (निसं) । शनिवार को आर्मी पब्लिक स्कूल भरतपुर में "सबरंग" समर कैंप का समापन समारोह आयोजित किया गया ।

गणमान्य अतिथियों के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्रधानाचार्या उमा शर्मा ने उपस्थित विशिष्ट अतिथियों, अध्यापकों और छात्रों का अभिनंदन किया।इस दौरान आयोजित सभी गतिविधियों का गणमान्य अतिथियों द्वारा अवलोकन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को मद्देनजर रखते हुए आर्मी पब्लिक स्कूल भरतपुर में ''सवरंग''समर कैंप का आयोजन स्कूल कैंपस में 17 मई से 3 जून तक किया गया।इसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के कला कौशल का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इस समर कैंप में विविध गतिविधियां जैसे योगा, पेंटिंग, संगीत, पाक, कला, नृत्य, गायन- वादन आदि की कक्षाओं का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें छात्रों ने अपनी रूचि के अनुरूप भाग लिया। इसके अंतर्गत योग प्रशिक्षण में विभिन्न प्रकार के प्राणायाम, योगासन और सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया गया।आर्ट कक्षाओं में विभिन्न प्रकार की पेंटिंग, प्रिंटिग के साथ- साथ ऑरिगैमी भी सिखाई गई। संगीत में विभिन्न रागों का अभ्यास तथा वाद्ययंत्रों को बजाने की कला का प्रशिक्षण दिया गया। पाक-कला के अंतर्गत अग्निरहित व्यंजनों को बनाने के बारे में बताया गया।

शिक्षक कौशल विकास के अंतर्गत अनेक प्रकार के कार्य कौशलो जैसे कंप्यूटर अनुप्रयोग, अंग्रेजी भाषा, विज्ञान एवं गणित आदि से संबंधित कौशलो की कार्यशाला भी विद्यालय परिसर में आयोजित की गई जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षक स्वयं के साथ-साथ विद्यार्थियों के कौशल विकास में भी पूर्ण योगदान दे सकें।

प्रतियोगिता में जीता सिल्वर मेडल

ढिढोरा (नि.सं.)। जूनियर राष्ट्रीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता में राजस्थान से जिला करौली के गांव ढिंढोरा की निवासी प्रियंका जोगी पुत्री प्रेम सिंह जोगी ने भाग लिया। जिसमें सिल्वर मेडल जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है । ग्राम ढिढोरा में वासियों ने मधावी खिलाड़ी छात्रा प्रियंका का मैडल जीकर लौटने पर बैंड बाजों के साथ स्वागत किया गया और ग्रामीण महिला पुरुषों द्वारा साफा व माला पहनाकर सम्मानित किया गया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ढिंढोरा की छात्रा प्रियंका योगी ने बताया कि मैं अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता, प्रधानाचार्य देवी सिंह डागुर व वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक राम सहाय जाटव को देती हूं । इस सम्मान समारोह में ग्राम पंचायत ढिंढोरा के सरपंच कीर्ति शर्मा, पूर्व प्रधान रज्जो देवी, करण सिंह डागुर, लालजीत डागुर, भरत सिंह डागुर, उप सरपंच राजेन्द्र जांगिड़ , साहब सिंह डागुर मौजूद रहे।

क्षतिग्रस्त सड़क के निर्माण को लेकर आंदोलन की रणनीति तैयार

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। शहर के बाजना रोड पर शनिदेव मंदिर पर क्षेत्र के लोगों ने शनिवार को आम पंचायत का आयोजन कर क्षतिग्रस्त बाजना रोड के निर्माण को लेकर आंदोलन की रणनीति तैयार की। भाजपा नेता शीला चन्दन जाटव ने बताया कि हिंडोन से बाजना लहचोरा और विजयपुरा बेरखेडा की तरफ जाने वाला मुख्य मार्ग विगत चार वर्षों से पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो चुका है जिसमें बड़े-बड़े गड्ढे हो चुके हैं जिससे कई बार दुर्घटनाएं हुई हैं। इस संबंध में कई बार स्थानीय विधायक और प्रशासन को चेताया जा चुका है लेकिन सिर्फ झूठे आश्वासन मिले हैं। आज उपखंड अधिकारी कार्यालय पर सैंकड़ों महिला पुरुषों के साथ एक संघर्ष समिति बना कर ज्ञापन दिया गया जिसमें सात दिवस के अंदर इस रोड की

■ **क्षतिग्रस्त सड़क से कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी है**

प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी कर कार्य प्रारंभ करवाने का आग्रह किया है अन्यथा हजारों लोगों के साथ किसी भी मुख्य मार्ग को रोकने या रेल रोकने का आंदोलन करने की चेतावनी दी है। संघर्ष समिति में पूर्व सरपंच धारासिंह गुर्जर, भागमल चौधरी, शिवसिंह गुर्जर बनकी, पूर्व सरपंच पप्पू बनकी, कैप्टन रमेश चंद गुर्जर, रामेश्वर सैनी मालीपुरा, लेखसिंह गुर्जर, शिवराम गुर्जर, गजेंद्र गुर्जर लोंगटी पुरा, सरोज देवी, गुड्डी देवी, बबिता बाजना, विवेक सैनी, महेश गेंदूआपुरा सहित सैंकड़ों महिला पुरुष रहे ।

कलश यात्रा का स्वागत किया

सैपऊ। शनिवार को मरैया परिवार की ओर से आयोजित भागवत कथा के शुभारंभ अवसर पर बैंड बाजों के साथ कलश यात्रा निकाली गई है। दर्जनों युवतियां सिर पर कलश धारण कर पैदल चल रही थी। आयोजक निरोती लाल मरैया आचार्य बनवारी लाल शास्त्री सहित अनेकों लोग कलश यात्रा के साथ चल रहे थे इस दौरान यात्रा का गिरीश मरैया द्वारा अपने निवास पर जलपान कराते हुए पुष्प वर्षा कर तथा आयोजक और भागवताचार्य को फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया इसके अलावा भी जगह-जगह लोगों ने कलश यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। कलश यात्रा बाड़ी मार्ग हनुमान मंदिर से शुरू होकर कस्बे की परिक्रमा करते हुए पुराना बाजार स्थित कथा स्थल पर पहुंची जहां भागवताचार्य बनवारी लाल शर्मा के द्वारा विधि विधान के साथ मंत्र उच्चारण कर कलस स्थापित कराए गए। जिसके बाद लोगों ने व्यास गद्दी की आरती उतारी तथा आचार्य की ओर से पहले दिन की कथा का वर्णन किया गया इस दौरान पप्पू पराशर, जगमोहन शर्मा , प्रमोद दत्त शर्मा, जितेंद्र तिवारी, राम खिलाडी कुशवाह आदि काफी संख्या में महिला-पुरुष मौजूद रहे।

बयाना के तीन रेलकर्मी जबलपुर में सम्मानित

बयाना के तीन रेलकर्मियों को रेलवे जीएम पुरूस्कार से सम्मानित किया है।

बयाना । बयाना के तीन रेलकर्मीयों को रेलवे जीएम पुरूस्कार से सम्मानित किया है। उन्हें यह पुरूस्कार जबलपुर में रेलवे जीएम की ओर से आयोजित 67 वें सम्मान समारोह में प्रदान किया गया। रेलवे जीएम सुधीर कुमार गुप्ता की ओर से उन्हें प्रषस्ति पत्र व नगद पुरूस्कार प्रदान कर षॉल ओढाकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान व पुरूस्कार प्राप्त करने के बाद जब रेलवे आरक्षण पर्यवेक्षक नेमीचंद व सीनीयर बुकिंग क्लर्क अतुल गुर्जर एवं सीनीयर सैक्षन इंजिनियर महेन्द्रसिंह बयाना पहुंचे तो उनका रेलवे के स्टेषन अधीक्षक बद्रीप्रसाद मीणा व अन्य रेलवे अधिकारीयों एवं कर्मचारीयों की ओर से फूलमालाऐं व साफे पहनाकर बैंडबाजों के साथ अगुवानी करते हुए स्वागत सत्कार किया। यह सम्मान पाकर सभी रेलवे कर्मी विषेश रूप से उत्साहित थे और उनके जष्न जैसा माहौल था।

बदमाश से जानकारी लेने यूपी पुलिस आई

बयाना । बयाना में शनिवार को उत्तरप्रदेश के थाना तातंपुर व आगरा जिलेव के थाना मलपुरा की अलग अलग पुलिस टीमें पहुंची वहीं भरतपुर जिले के थाना हलैना की पुलिस टीम भी पकडे गए बदमाश की जानकारी लेने बयाना पहुंची।

बयाना क्षेत्र के गांवों में पिछले कुछ दिनों में लगातार हुई चोरी की वारदातों के सिलसिले में बयाना पुलिस की ओर से साइबर एक्सपर्ट व तकनीकी सिस्टम से जानकारी कर धौलपुर जिले के एक बदमाश गिरोह से संबंधित एक युवक को पकडा है। जिसने चोर गिरोह के सदस्यों के संबंध में पुलिस को जानकारी दी है।

पुलिस पकडे गए युवक से गहन पूछताछ करने में जुटी है। तांतपुर से आए थाना प्रभारी प्रदीप चतुर्वेदी ने बताया बीते मई के महीने में 5 मई व 8 मई की रात्रियों में थाना तांतपुर क्षेत्र के दो अलग अलग गांवों में चोरी की करीब 9 वारदातें हुई है। इन वारदातों के लिए यूपी पुलिस यहां आई है।

जिनमें पुलिस को धौलपुर, ग्वालियर व मुरैना के चोर गिरोहों की तलाश है।

समाजसेवी रूप सिंह ने किया डांग क्षेत्र का दौरा

समाज सेवी डॉ. रूपसिंह गुर्जर ने मासलपुर क्षेत्र में दौरे के समय ग्रामीणों से चर्चा की।

मासलपुर (निंसं.)। समाजसेवी डॉ. रूप सिंह गुर्जर ने अपनी टीम के साथ मासलपुर डांग क्षेत्र का दौरा करते हुए जनता से रूबरू हुए और उनके दुख दर्द पूछते हुए क्षेत्र की समस्याएं जानी।

गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति से जुडे एवं समाजसेवी डॉ0 रूप सिंह गुर्जर ने ग्रामीणों से विकास में आगे आने की अपील की एवं समाज में फैली कुरीतियों को दूर कर विकास के पथ पर चलने की प्रेरणा दी। डॉ0 रूप सिंह गुर्जर ने बताया कि उनके साथ जो टीम रहती है उनमें ऐसे व्यक्ति हैं जो सदैव सामाजिक हित के कार्यों में आगे रहते हैं इस दौरान उन्होंने टीम को डांग क्षेत्र के विकास पर ध्यान देने के निर्देश दिए। उन को अधिक से अधिक संख्या में रोजगार से जोड़ना है। वहीं युवाओं से जागरूक रहने की अपील की समाजसेवी गुर्जर टीम के साथ मासलपुर क्षेत्र के मासलपुर, महाराजपुरा, कोरीपुरा, सकलूपुरा मरदई मोड, मासलपुर अस्पताल, अनीजरा,बाबूकापूरा,मदनपुर गांव का दौरा किया जहां पंच पटेलों और जनता ने रूप सिंह गुर्जर का माला साफा पहनाकर स्वागत किया।

तोड़ा दम

बयाना । गांव सिकंदरा निवासी एक सिलिकोसिस पीडित मजदूर ने आज उपचार के दौरान दम तोड दिया।

नाम परिवर्तन

मैं नोविता पत्नी श्री अमित कुमार जाति सिंधी निवासी 218, स्वर्ण जयन्ती नगर, भरतपुर (राज.) की हूं। यह मेरा विवाह 02.07.2006 को श्री अमित कुमार पुत्र श्री मोहनलाल जाति सिंधी निवासी 218, स्वर्ण जयन्ती नगर, भरतपुर के साथ सम्पन्न हो चुका है। विवाह पूर्व मेरा नाम हेमलता था जो कि मेरे ससुरालजनों ने मेरा उपरोक्त नाम बदल कर नोविता कर दिया है। इसलिए मैं शपथ पत्र पेश कर यह घोषणा करती हूं कि भविष्य में मुझे नए नाम नोविता के नाम से जाना, पहचाना, पुकारा व सम्बोधित किया जावे और मेरा यही नाम प्रभावी किया जावें।

नाम परिवर्तन

मैं कुसुम अग्रवाल पत्नी श्री प्रदीप कुमार गुप्ता, जन्मतिथि 02.12.1975, जाति महाजन, निवासी- कृष्णा कॉलोनी, हिंडौन सिटी, जिला- करौली शपथ पूर्वक घोषणा करती हूं कि मेरे पैन कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड में अन्य प्रशासनिक दस्तावेजों में मेरा नाम कुसुम अग्रवाल पत्नी प्रदीप कुमार गुप्ता दर्ज है। जबकि मेरा नाम विवाह से पूर्व सुनीता कुमारी पुत्री शिवचरण लाल था जो मेरे सभी शैक्षणिक दस्तावेजों में दर्ज है। ये दोनों मेरे ही नाम है। भविष्य में मुझे कुसुम अग्रवाल के नाम से ही जाना जावे।

चंबल के पानी को लेकर गांव ढिंढोरा में आज किसान महापंचायत

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष भामाशाह रामनिवास मीना ने केन्द्र सरकार से ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की पुरजोर ढंग से मांग करते हुए कहा है कि उत्तरी-पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों की पेयजल और सिंचाई की समस्या का समाधान एकमात्र चंबल के पानी से ही किया जा सकता है। केन्द्र सरकार ने इस संबंध में गंभीरता नहीं दिखाई तो 13 जिलों में बेरोजगारी के साथ पेयजल और सिंचाई का भयंकर संकट खडा हो जाएगा। यह बात केन्द्र सरकार तक पहुंचाने के लिए पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना संघर्ष समिति की ओर से जनजागरूकता अभियान चलाया हुआ है। गांव-गांव में महापंचायत कर लोगों को ईस्टर्न कैनाल प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी जा रही है। इस संबंध में 5 जून को सुबह 11 बजे हिण्डौन के गांव ढिंढोरा में किसान महापंचायत आयोजित होंगी, जिसमें आसपास के किसान काफी संख्या में भाग लेंगे। पूर्वी

ग्राम ढिंढोरा में आयोजित होने वाली किसान महापंचायत के सभा स्थल की तैयारियों का भरत सिंह डागुर आदि ने जायजा लिया।

राजस्थान नहर परियोजना किसान संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष भामाशाह रामनिवास मीना ने शनिवार को मीडियाकर्मियों को उक्त जानकारी दी। इस मौके पर किसान संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक अमर सिंह नीमरोठ, प्रदेश महामंत्री भरत सिंह डागुर, प्रदेश उपाध्यक्ष पूरनमल जाटव, प्रदेश मीडिया प्रभारी दीनदयाल सारस्वत, प्रदेश प्रवक्ता गिरीश अलीपुरा, विधि सलाहकार सुमन्त मीना, राकेश दांतकापुरा आदि प्रमुख पदाधिकारी एवं किसान नेता उपस्थित रहे। प्रदेशाध्यक्ष मीना ने बताया कि समिति की ओर से जनजागरण अभियान की शुरूआत महस्वा-नांगल पहाडी के कुठीला हनुमान मंदिर परिसर में किसान महापंचायत कर की गई। इससे पहले सैकडों महिला-पुरूषों ने मंडरायल स्थित चंबल नदी पहुंच विधि-विधान से पूजा अर्चना और महाआरती की गई थी। राजस्थान में पहली बार चंबल की पूजा और महाआरती के इस आयोजन में चंबल मैय्या को 13 जिलों की धरा को हरा-भरा करने के लिए मनाया गया था। श्रद्धापूर्वक हुए इस अनूठे कार्यक्रम से किसान संघर्ष समिति के पदाधिकारियों व किसानों में उत्साह का संचार हुआ है।

■ 'इस योजना पर 13 जिलों में बेरोजगारी के साथ पेयजल और सिंचाई का भयंकर संकट खडा हो जाएगा'

नहर परियोजना जागरूकता अभियान का पोस्टर जारी

करौली (निंसं.)। प्रदेश कांग्रेस सेवा दल महासचिव और पूर्व जिला परिषद सदस्य श्रीमती आरती मीना और आईईएस भँवर सिह मीना की ओर से संचालित पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना जागरूकता अभियान के पोस्टर का विमोचन टोडाभीम के मूंडिया गांव मे एकत्रित 12 गांव मूंडिया क्षेत्र के पंच पटेल और गणमान्य लोगो द्वारा किया गया।

पोस्टर विमोचन के दौरान जगराम पटेल, हरिप्रसाद पटेल,रज्जू पटेल, अतर सूबेदार, रमेश दानी,अमर सिंह, गुमान राजा मुंडिया, अशोक, रामहरी सूबेदार, हरकेश फौजीगजराज सलेपुरा सहित दर्जनो लोग मौजूद रहे।पोस्टर का विमोचन करते हुए उपस्थिति लोगो ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को केंद्र सरकार द्वारा जल्दी से जल्दी राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की माँग रखी जिससे परियोजना समय से पुरी हो सके और परियोजना क्षेत्र के लोगो को चंबल का पानी समय से मिल सके। इसी कडी मे लोगो को जागरूक करने के लिए टोडाभीम विधानसभा क्षेत्र में चंबल का पानी लाने की मांग के पोस्टर चिपकाए जाएगे।

संदिग्ध परिस्थितियों में रोडवेज चालक की मौत

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। रोडवेज आगार में कार्यरत ड्राइवर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शनिवार सुबह रोडवेज के पास चालक का शव मिलने से रोडवेज कर्मियों मे हड़कंप मच गया। डिप्टी कंट्रोलर पुष्पेंद्र गुप्ता ने बताया कि गांवचिकोलिया थाना ततारपुर चौराहा मंडावर जिला अलवर निवासी उदय सिंह (55) पुत्र हरी सिंह रोडवेज विभाग में ड्राइवर के पद पर कार्यरत था। शनिवार को उदय सिंह का शव संदिग्ध परिस्थितियों में डिपो में मिलने से रोडवेज कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। हालांकि उदय सिंह के संदिग्धावस्था में पाए जाने के बाद रोडवेज आगार के गार्ड लखनलाल, मैकेनिक दिलीप सिंह व कैलाश मीणा ने उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची।कोतवाली पुलिस थानाधिकारी वीर सिंह ने बताया कि मृतक के भाई सुरेंद्र की ओर से मामला दर्ज किया गया है। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर मृतक का शव भाई सुरेंद्र, भाई बलवीर और दामाद आजाद को सुपुर्द कर दिया है।

सार-समाचार

13 साल से फरार वारंटी गिरफ्तार

बयाना । बयाना कोतवाली पुलिस की ओर से चलाए जा रहे विषेश धरपकड अभियान के तहत पुलिस टीम ने 13 साल से फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया है। कोतवाली प्रभारी हरिनारायण मीणा ने बताया कि गिरफतार आरोपी करौली जिले के थाना बालघाट के गांव मूडिया निवासी राजेष उर्फ राजीव पुत्र हंसराज गुर्जर है। जिसके विरूद्ध न्यायालय की ओर से चोरी के विभिन्न मामलों में 4 स्थाई वारंट जारी कर रखे थे। भरतपुर के जिला पुलिस अधीक्षक ष्यामसिंह के निर्देष पर वांछित अपराधीयों व स्थायी वारंटीयों की गिरफतारी के लिए विशेष धरपकड अभियान चलाया हुआ है। जो निरंतर जारी रहेगा। अभियान को सफल बनाने के लिए विशेष पुलिस टीम भी गठित की गई।

फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

बयाना । कोतवाली पुलिस की ओर से चलाए जा रहे विशेष धरपकड अभियान के तहत आज 10 साल से दलित उत्पीडन के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू की है। कोतवाली प्रभारी हरि नारायण मीणा ने बताया गिरफ्तार आरोपी कप्तान सिंह पुत्र देवीलाल गुर्जर निवासी ले चोरा खुर्द है। जिसके विरुद्ध कोर्ट से स्थाई वारंट जारी हुए थे। पुलिस को इसकी मारपीट वह दलित उत्पीडन के 10 साल पुराने एक मामले में काफी समय से तलाश थी।

छप्पर में लगी आग

सपोटरा । उपखंड सपोटरा की ग्राम पंचायत जोडली के गांव किशोरपुरा में 2 जून गुरुवार को दोपहर बाद अचानक से अज्ञात कारणों से एक छप्परपोश घर में आग लग गई जिसके कारण पीड़ित परिवार को करीब तीन लाख रुपए का नुकसान होना बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत जोडली के गांव किशोरपुरा में श्यामलाल पुत्र मूलचंद प्रजापत के छप्परपोश घर में अज्ञात कारणों से 2 जून गुरुवार को दोपहर बाद अचानक से आग लग गई।

दस साल से फरार दो वांटेड अपराधी गिरफ्तार

भरतपुर (निसं) । भरतपुर में उत्तर प्रदेश की एक गैंग के दो ऐसे वांटेड अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है जो 10 साल से फरार चल रहे थे। इन दोनों की गिरफ्तारी के लिए भरतपुर जिला पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह की तरफ से 3-3 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

जिला पुलिस अधीक्षक श्यामसिह ने बताया कि तिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय भरतपुर चन्द्रप्रकाश शर्मा व सहायक पुलिस अधीक्षक वृत ग्रामीण भरतपुर बृजेश ज्योति उपाध्याय के सुपरविजन में बांछित अपराधियों की धरपकड के अभियान के तहत पुलिस थाना नदबई के फरार स्थायी वारंटी जीतू उर्फ जीतेन्द्र पुत्र भगवानसिंह व भगवानसिंह उर्फ डोरीलाल पुत्र मंगलसिंह जातियान जाट निवासीयान पायन्दापुर थाना गोंडा जिला अलीगढ यूपी को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार वांटेड दोनों अपराधियों की पहचान जीतेंद्र और उसका पिता भगवान सिंह निवासी पायन्दपुर जिला अलीगढ़ उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। आज पुलिस टीम ने दबिश देकर दोनों अपराधियों को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश की गैंग के चार बदमाशों ने वर्ष 2012 में भरतपुर जिले के नदबई कस्बे में एक ज्वेलर के साथ गन पॉइंट पर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। जिसके बाद गैंग के दो बदमाशों को पूर्ण नहीं गिरफ्तार कर लिया गया था मगर यह बदमाश 10 वर्ष से फरार चल रहे थे । पुलिस को जब सूचना मिली तो पुलिस टीम का गठन किया गया और उत्तर उत्तर प्रदेश में दबिश देकर आज दोनों को गिरफ्तार किया गया है। नरवर थाना के एएसआई रमेश चंद्र ने बताया कि 10 वर्ष से फरार 3-3 हजार रुपए के ईनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है जिन्होंने लूट की वारदात को अंजाम दिया था।

वाटर कूलर उद्‌घाटन

गंगापुर सिटी । मानव सेवा संस्थान द्वारा एसडीओ कोर्ट परिसर में वाटर चिलर (शीतल जल- मंदिर) का उद्‌घाटन सभापति शिवरतन अग्रवाल ने किया। मानव सेवा संस्थान के संरक्षक विजय गोयल ने बताया की सभापति शिवरतन? गुप्ता की प्रेरणा से एसडीएम कोर्ट परिसर में भामाशाह सतीश मधुबन के सहयोग से वाटर चिलर लगावाया गया। कार्यक्रम में अतिथियों ने श्री राम दरबार की तस्वीर के आगे दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम का मंच संचालन संतोष बंसल ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिवरतन गुप्ता सभापति नगर परिषद ने? कहा कि मानव सेवा संस्थान अपने नाम के अनुरूप शहर में कार्य कर रहा है। संस्थान द्वारा लगवाया वाटर चिल्लर आने- जाने वाले हजारों लोगों को ठंडा पानी पिला कर राहगीरों की प्यास बुझाने का कार्य करेगा। इस मौके पर वाटर चिलर के भामाशाह सतीश मधुबन की भूरी- भूरी प्रशंसा की।

समता आंदोलन समिति ने मनाया स्थापना दिवस

करौली (निंसं.) । समता आन्दोलन समिति का 15 वॉ स्थापना महोत्सव समारोह सादगी पूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ।

समता आन्दोलन समिति जिला करौली द्वारा समिति के 15 वें स्थापना महोत्सव पर विनायक रिसोर्ट में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पाराशर नारायण,राष्ट्रीय सचिव आरएन गौड,जयपुर संभागीय अध्यक्ष ऋषिराज राठौड सहित जिला करौली से विप्र फाउण्डेशन के प्रदेशाध्यक्ष वेदप्रकाश उपाध्याय,सवर्ण संघ के संभागीय अध्यक्ष देवीसिंह बदनपुरा,तहसील अध्यक्ष राजपूत सभा चौरजी सिंह,प्रजापति समाज के अध्यक्ष रामेश्वर ठेकेदार सहित सभी समाजों के लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में आरएन गौड व राठौड ने वर्तमान परिस्थितियों में विभिन्न स्तरों पर चल रही समता आन्दोलन समिति की गतिविधियों व समता स्थापना के 14 वर्ष के उतार चढ़ाव को साझा करते हुये कहा की अब एक युवा की भांति समता 15 वे वर्ष में प्रवेश कर रही है। तो जिम्मेदारी भी बढी है और लोगों के समक्ष संवैधानिक व वैधानिक रूप से जातिगत आरक्षण संबंधी विषमताओं को रखा। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि जो सोवे वो खोवे जो जागे वो पावे। इसके उपरांत राष्ट्रीय अध्यक्ष पाराशर नारायण ने समता आन्दोलन समिति के अब तक के प्रयासों से सबको परिचित करवाया और आग्रह किया की अधिकारों की संवैधानिक प्राप्ति हेतु सबको एकजुट होकर हिम्मत के साथ संघर्ष करना होगा। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर दिये जा रहे जातिगत आरक्षण को समझाते हुये आव्हान किया कि जो सक्षम वर्ग है। वह अब स्वंय पहल करे ताकि उनके ही समुदाय के पिछडे,वंचित आगे मुख्यधारा में जुडकर इसका समुचित लाभ ले सके।

आर्य विद्यापीठ सोसायटी के चुनाव पांच को

भरतपुर (निसं) । 5 जून को आर्य विद्यापीठ सोसायटी भुसावर के 21 सदस्यीय कमेटी के चुनाव का आयोजन होगा। जिसमें निर्वाचन प्रक्रिया में चन्द्रशेखर लवानियॉ, भूदेव, श्यामलाल गुप्ता, श्यामसुन्दर शर्मा, प्रमोद बंसल, वेदप्रकाश, धर्मेन्द्र सोनी, सहयोग प्रदान करेंगे।

कार्यकारिणी के निर्वाचन हेतु निर्वाचन अधिकारी राजेश मित्तल के निर्देशन में मतदान सम्पन्न कराया जावेगा उक्त निर्वाचन में 29 प्रत्याशी अजयकुमार अग्रवाल, अनिल गोयल, अनिल कुमार गोयल, अंकित गुप्ता, अशोक मित्तल, बैजनाथ प्रसाद गोयल, चन्द्रप्रकाश अवस्थी, दीनदयाल सिंघल, गिर्राजशरण सिंघल, गोविन्द प्रसाद सिंघल, हरीश चन्द मित्तल, जगदीश प्रसाद गुप्ता, सत्यवृत अग्रवाल, सुभाष चन्द गुप्ता, सुभाष चन्द्र मित्तल, योगेन्द्र कुमार मित्तल आदि है।

'प्रधानमंत्री ने हमारे देश का गौरव बढ़ाया है'

करौली (निंसं.)। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 8साल सेवा,सुशासन,गरीब कल्याण को लेकर आयोजित कार्यक्रमो की श्रृंखला मे प्रेस वर्ता का आयोजन किया गया जिसमे कार्यक्रम की जिला संयोजक पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव ने कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एससी,एसटी वर्ग को सम्मान देते हुए देश का गौरव बढाया है। जिससे हम विश्व शक्ति के रूप मे उभरे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के सफल 8 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा जिला अध्यक्ष बृजलाल डिकोलिया ने आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित किया। उन्होने गत 8 वर्षों में देश के हर क्षेत्र में हुई प्रगति की अनंत यात्रा को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हम आजादी का 75 वां अमृत महोत्सव मना रहे हैं। 75 वर्षो की आजादी में लगभग 55 वर्षों तक कांग्रेस पार्टी और एक खानदान विशेष ने देश पर शासन किया। 90 के दशक में पहला बदलाव अटल बिहारी वाजपेयी के शासनकाल के दौरान आया। अनकों दलों के साथ मिलकर गठबंधन की सफल सरकार चलाई।देश के राजनीतिक इतिहास में वर्ष 2014 में भी इसी तरीके का राजनीतिक क्रांतिकारी बदलाव आया। देश में कांग्रेस पार्टी के भ्रष्टाचार,अराजकता,कुशासन,परिवार वाद, वंशवाद और जातिवाद इन सबके खिलाफ देश की जनता ने प्रतिकार किया और देश में पहली बार भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनी। जिसका नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं।कार्यक्रम की संयोजन राजकुमारी जाटव ने कहा कीमोदी सरकार एनडीए-2 के सफलतम 8 वर्ष पूर्ण हो गये। और इन 8 वर्षों की राजनीतिक तौर पर,सामाजिक तौर पर और शासकीय तौर पर ऐतिहासिक उपलब्धियां हैं।

ट्रांसफार्मर से तांबे के तार, प्लेट एवं ऑयल चोरी

गंगापुर सिटी । विदरख्या ग्राम पंचायत के रेती गांव में शुक्रवार रात को चोरों ने एक सिंगल फेज ट्रांसफार्मर चोरी कर लिया। चोर सिंगल फेज ट्रांसफार्मर से तांबे के तार, तांबे की प्लेट और ऑयल निकालकर ले गए। सुबह ग्रामीण घरों से बाहर निकले तो उनको ट्रांसफार्मर खंभे के नीचे पडा मिला और उसके पुर्जे भी इधर-उधर बिखरे पडे थे। इसके बाद मौके पर लोगों की भीड जमा हो गई। लोगों ने पुलिस से जल्द ही चोरों को गिरफ्तार करने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि रात करीब 1० बजे ग्रामीण चौपाल पर चर्चा करने के बाद अपने-अपने घरों में सोने के लिए चले गए। रात 11 से 2 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने मौका देखकर खंभे पर लगे सिंगल फेज ट्रांसफार्मर को नीचे उतारा और उसको खोलकर तांबे के तार और प्लेट के साथ ही ऑयल चुरा ले गए। शनिवार को सुबह लोग घरों से बाहर निकले तो उनको खंभे के नीचे ट्रांसफार्मर पडा मिला और उसमें से कीमती सामान चोरी था। सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों ने चोरी को लेकर नाराजगी जताई।

ईनामी दो आरोपी गिरफ्तार

हलैना, (निसं) । थाना हलैना क्षेत्र के गांव सरसैना में भूमि विवाद को लेकर 9 साल पहले हुए महिपाल हत्या काण्ड में फरार चल रहे दो ईनामी आरोपियों को जिला पुलिस अधीक्षक श्यामसिंह के द्वारा गठित टीम ने गिरफ्तार कर वैर की अदालत में पेश किया,जिन्हे अदालत से उक्त प्रकरण की पूछताछ तथा फरार चल रहे शेष आरोपियों की गिरफ्तारी वास्ते दो दिन के पुलिस रिमाण्ड पर लाया गया,जिन्हे 6 जून को दुबारा अदालत में पेश किया जाऐगा।

थाना प्रभारी विजयसिंह छौंकर ने बताया कि हलैना थाना के गांव सरसैना में एक ही कुटुम्ब के दो पक्षों के मध्य भूमि विवाद को लेकर 23 जून 2013 में झगडा हो गया,जिस झगडे में महिपाल फौजदार पुत्र रेवती फौजदार की मौत हो गई,मृतक के परिजन प्रहलादसिंह ने 24 जून 2013 को उक्त प्रकरण को लेकर 15 जनों के खिलाफ हत्या का नामजद मामला इन्द्राज कराया। रिर्पोट दर्ज होते ही उसी दिन आरोपी नहारसिंह,दौजी एवं कप्तानसिंह को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया,जिसके बाद साल 2013 से 2016 तक आरोपी लखमीसिंह,जगदीशसिंह, परसराम व रामवीर को गिरफ्तार किया,शेष आरोपी

भूमि विवाद को लेकर 9 साल पहले हुए महिपाल हत्या काण्ड के दो आरोपी पकड़े।

विष्णुसिंह,रामवीरसिंह,धर्मवीरसिंह, शिक्षक दीवानसिंह,नन्दराम उर्फ नरेन्द्रसिंह,सुरेन्द्र सिंह घटना के दिन से फरार चल रहे थे। हलैना पुलिस ने 6 जुलाई 2021 को आरोपी विष्णुसिंह एवं रामवीरसिंह को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। उन्होने बताया कि महिपाल हत्याकाण्ड के फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी को जिला पुलिस अधीक्षक श्यामसिंह,एएसपी एडीएफ राजेन्द्र वर्मा,भुसावर पुलिस उपाधीक्षक निहालसिंह शेखावत ने टीम गठित की।

पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

करौली (निंसं.) राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय करौली के तत्वाधान में राजकीय बापू उच्च प्राथमिक विद्यालय करौली में आयोजित किए जा रहे ग्रीष्मकालीन अभिरुचि एवं कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र पर बालक बालिकाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने की दृष्टि से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय कार्यक्रमों की श्रंखला में शनिवार को पोस्टर,निबंध,नारा लेखन एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बालक बालिकाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं अपने मन के पर्यावरण के बारे में विचार व्यक्त किए।

सीओ स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया की विश्व पर्यावरण दिवस पर बालक बालिकाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने की दृष्टि से तीन दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें बालक बालिकाओं ने प्रथम दिवस में मूक पक्षियों के लिए परिंडे लगाएं एवं ग्रीष्मकालीन रितु जब कि पक्षियों के लिए चारों तरफ चुग्गा का अभाव हो जाता है को अपनी-अपनी छतों पर चुग्गा डालने के लिए प्रेरित किया।

महिला को भामाशाहों ने सहायता राशि सौंपी

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। शहर के पीपरी बाडा निवासी एक गरीब वेवा महिला के गत तीन माह पूर्व आगजनी की घटना से नष्ट हुई सरसों की फसल को लेकर भामशाहों की ओर से एकत्रित की गई सहायता राशि का चैक शविार को महिला को सौंपा गया।

नगर परिषद के नेता प्रतिपक्ष व पार्षद दिनेश सैनी ने जानकारी देते हुए बताया है कि वेवा महिला गिलासी देवी सैनी पत्नी स्वर्गीय भमरी सैनी निवासी पिपरी बाड़ा की गत 12 मार्च को रात में अगजनी की घटना से दो बीघा की सरसो की फसल नष्ट हो गई। इस वेवा महिला की सहायता के लिए लोगों से सम्पर्क कर व सोशियल मीडिया के माध्यम से अभियान चलाया।

जिसके चलते एकत्रित की गई साहयाता राशि 63000 को भागामशाहों ने उसके घर पर पंहूचकर महिला को सौंपा । जानकारी के अुनसार करीव 6 माह पहले उसके पति की बीमारी के कारण मौत हो चुकी थी। इस दौरान राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड के

हिण्डौन के पीपरी बाड़ा निवासी महिला गिलासी देवी को पार्षद दिनेश सैनी व अन्य पदाधिकरियों ने सहायता राशि सौंपी।

राष्ट्रीय संयोजक चंद्र प्रकाश सैना, राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश चंद सैनी, राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड के प्रदेश सलाहकार एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी , आरक्षण संघर्ष समिति के सह संयोजक पप्पू प्रधान, अलवर राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड के प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी राजेंद्र सैनी, झानावाद राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष बनेसिंह कुशवाह, करौली सैनी समाज जिला अध्यक्ष मोहरसिंह सैनी, व्याख्याता महेश चंद सैनी, ठंडी राम सैनी, पुष्पेंद्र सैनी, पूरणमल सैनी सैनी, पदम सैनी, कृष्ण सैनी, कुलदीप सैनी, धारा सिंह सैनी आदि सैनी समाज के प्रमुख लोग मौजूद थे।

सामाजिक उन्नति में आर्य समाज की भूमिका : स्वामी आर्यवेश

भरतपुर (निसं) । सार्वोदेशिक सभा के पूर्व प्रधान स्वामी आर्यवेश द्वारा समाज में आर्य समाज में भूमिका बतलाते हुए कहा कि गुरूकुल आर्य समाज की देन है जिसमें ब्रह्मचारी अध्ययन कर अपना मानसिक, शारीरिक उन्नति करते हुए समाज में अच्छा विचार देते हुए समाज की उन्नति में लग जाता है।

हैदराबाद आन्दोलन में आर्य समाज ने विशेष भूमिका निभाई। वेद प्रकाश श्रोतिय द्वारा उदाहरण देकर कुरीतियों पर अंध विश्वास पर प्रहार करते हुए वतलाया कि किस प्रकार आर्य समाज में समाज में भूमिका निभाई। बहिन अंजली आर्य, नरदेव आर्य द्वारा भजन के माध्यम से आर्य समाज की भूमिका बतलाई। आर्य कन्या गुरूकुल भुसावर के अधिष्ठाता हरीश चंद शास्त्री द्वारा आर्य समाज के इतिहास को दोहराया। कार्यक्रम में आचार्य अवनीश मैत्री द्वारा भी विचार रखे। स्वामी आर्यवेश द्वारा आर्यवीर दल व 80 के आर्य समाजियों को प्रशस्ति पत्र व पटका पहनाकर अभिनन्दन किया।

वर्ष 2021 से अटके है आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के चयन

करौली (निंसं.) । महिला एवं बाल विकास विभाग में जिले भर के महिलाओं के चयन प्रक्रिया पर 2021 से विराम लगा हुआ है।जबकि हिण्डौन उपखण्ड मुख्यालय पर चयन हो चुका है।

करौली जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गांव गांव मे आंगनबाडी केंद्र होता है जिसमें महिला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, साथिन जैसे तमाम पद होते हैं। उनको लेकर वर्ष 2021 से अब तक दो बार प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। जिनमें लोगों के चयन प्रक्रिया के लिए आखरी प्रक्रिया भी हो चुकी है। लेकिन विभाग की मनमर्जी के चलते चयन प्रक्रिया को अंतिम रूप नहीं दे पाए। फिलहाल में भी चयन प्रक्रिया जारी है। जिसमें चयन किया गया है लेकिन अंतिम रूप नहीं दिया जा रहा है। अंदेशा लगाया जा रहा है कि आखिरकार अंतिम समय में चयन प्रक्रिया को निरस्त कर दिया जाएगा। क्योंकि इसमें नंबरिंग के अनुसार अधिकारियों के चहेते लोगों का चयन नहीं हो पा रहा है सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों के लोगों का चयन हो जाता तो प्रक्रिया अंतिम रूप में चली जाती। लेकिन इसमें सही लोगों का चयन होने के चलते अधिकारी चयन को अंतिम रूप नहीं दे पा रहे हैं। जिन लोगों के चयन प्रक्रिया में सबसे ज्यादा नंबर हैं उनका चयन हो चुका है। वह इस बात का इंतजार कर रही हैं कि आखिर जॉइनिंग कब दी जाएगी। लेकिन लचर सिस्टम के चलते देखा जा रहा है कि प्रक्रिया को अंतिम रूप नहीं दिया जाएगा और चयन प्रक्रिया को अब तीसरी बार निरस्त करने की प्रक्रिया भी की जा सकती है। जबकि हिण्डौन में चयन हो चुके है। इस मामले में सायपुर निवासी सीमा चतुर्वेदी के नेतृत्व मे महिलाओ ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया है जिसमें उन्होंने साफ लिखा है कि मेरा अब तक तीन बार चयन हो चुका है। सीमा चतुर्वेदी के सायपुर से सबसे ज्यादा नंबर हैं। लेकिन अब तीसरी बार भी उनको जॉइनिंग नहीं मिल पाई है। जब महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी से बात की गई तो कहा कि जिला कलेक्टर की कमेटी निर्णय करेगी तो ही चयन हो पाएगा। हमारी ओर से पूरी प्रक्रिया कंप्लीट कर ली गई है लेकिन जिला कलेक्टर की कमेटी में मामला अटका पड़ा है।

खेलो इंडिया में हिमांशु चौधरी हिस्सा लेंगे

भरतपुर (निसं) । पंचकुला हरियाणा में 4 से 13 जून तक होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भरतपुर में जूडो खिलाडी हिमांशु चौधरी भाग लेंगे।

भरतपुर जिला जूड़ो संघ के सचिव व जूड़ो कोच औंकार पंचोली के अनुसार खेलो इंडिया यूथ गेम्स में जूडो खेल के लिए किला स्थित कराटियन्स स्कूल राजस्थान का जूडो खिलाड़ी हिमांशु चौधरी अपने 60 किलो भार वर्ग में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेगा।

सचिव औंकार पंचोली ने बताया कि 24 अप्रेल से 03 मई तक बैंगलोर में आयोजित हुए खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए भी कराटियन्स स्कूल राजस्थान की जूडो खिलाडी रोहिणी बरौली चौथ का चयन हुआ था, जिसमें रोहिणी बरौली चौथ ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए पांचवा स्थान प्राप्त किया था। अभी हिमांषु चौधरी चंडीगढ में जूडो कोच विवेक ठाकुर से प्रषिक्षण प्राप्त कर रहा है। समस्त जूडो खिलाडियों को आशा है कि हिमांशु चौधरी खेलो इंडिया यूथ गेम्स में बेहतर प्रदर्शन कर भरतपुर का नाम रोषन करेगा।

यात्रा टिकिट निरीक्षक ऋषि उपाध्याय जीएम अवार्ड से सम्मानित

गंगापुर सिटी । जबलपुर में 67वां पश्चिम मध्य रेलवे सप्ताह उत्सव समारोह आयोजित किया गया। इसमें वित्तीय वर्ष 2०21-22 के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले रेल अधिकारी-कर्मचारियों को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। गंगापुर सिटी मुख्य टिकट निरीक्षक कार्यालय में यात्रा टिकिट निरीक्षक ऋषि उपाध्याय को ट्रेनों में टिकट चैकिंग के दौरान क्षमता से अधिक रेलवे को राजस्व देने एवं 2०21-22 के दौरान उत्कृष्ट सेवा के लिए महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता द्वारा नकद पुरस्कार व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। ऋषि उपाध्याय द्वारा साल के 243 कार्यदिवस में बेटिकट, चैकिंग से करीब 52 लाख 97 हजार 522 रुपए का राजस्व रेलवे को दिया। इसमें एक माह में ही करीब 15 लाख रुपए उपाध्याय के द्वारा चैकिंग के जरिए रेलवे को राजस्व के रूप में दिया गया। ऋषि उपाध्याय का जबलपुर से लौटने के दौरान शनिवार को उनका रेल कर्मचारियों व उनके रिश्तेदारों के द्वारा

रेलवे कर्मचारी व मित्रगणों ने जीएम अवार्ड से सम्मानित यात्रा टिकिट निरीक्षक ऋषि उपाध्याय का अभिनंदन किया।

बैंडबाजों के साथ माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान टीटीई चेतराम मीणा, रेलवे यूनियन के नेता हरीप्रसाद मीणा, महेन्द्र दीक्षित, सुरेन्द्र विजयवर्गीय, सतीश धामोनिया, रवि मंगल, योगेश अग्रवाल वीवो, सौरभ बर्डिया, दिनेश सिंहल सहित सैंकडों रेलकर्मचारियों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। वहीं गंगापुर सिटी रनिंग रूम के अच्छे रखरखाव की शील्ड गंगापुर सिटी लॉबी को मिली। पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्यालय जबलपुर मे 3 जून को आयोजित 67 वें रेल सप्ताह के दौरान महाप्रबंधक सुधीर गुप्ता द्वारा जबलपुर में आयोजित भव्य समारोह में कोटा डिवीजन के गंगापुर सिटी रनिंग रूम को बेहतर मेंटेन रनिंग रूम का अवार्ड मिला। वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता ए के पाठक एवं मुख्य लोको निरीक्षक एमके पाठक ने जबलपुर जोन के महाप्रबंधक से यह अवार्ड एफिशिएंसी शील्ड के रूप में ग्रहण किया।

भाकियू का राष्ट्रीय अधिवेशन 10 जून से हरिद्वार में

भरतपुर (निसं) । भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष किसान नेता राजपाल सिंह पूनियां ने प्रैसनोट में बताया कि 10, 11, 12 जून को तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में देश भर से किसान यूनियन कार्यकर्ता शामिल होगें।

राष्ट्रीय अधिवेशन में देश भर के प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय स्तर की किसानों की समस्याओं एवं विभिन्न प्रदेशों की किसानों की समस्याओं पर मंथन कर आंदोलन की रणनीति तय करेगें। राष्ट्रीय अधिवेशन के बाद बहुत बडी किसान महापंचायत भरतपुर में होगी जिसमें तमाम प्रदेशों के किसान नेता शामिल होगें। किसान महापंचायत में जिले, प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के मुद्दे शामिल होगें। भरतपुर में किसान महापंचायत की तारीख राष्ट्रीय अधिवेशन में तय होगी। किसान नेता एवं प्रदेश अध्यक्ष राजपाल सिंह पूनियां ने प्रदेश एवं भरतपुर जिले के किसान यूनियन कार्यकर्ताओं को हरिद्वार राष्ट्रीय अधिवेशन में पहुंचने के निर्देश दिये।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों के मुकाबले रिकवरी अधिक हुई शनिवार को

राज्य में पिछले चौबीस घंटों में करोना से 117 मरीज ठीक हुए, जबकि 43 नए संक्रमित मिले हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में शनिवार को नए करोना संक्रमितों के मुकाबले में रिकवरी अधिक हुई है। इस दौरान राज्य में 117 मरीज ठीक हुए है, जबकि 43 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं एक्टिव केस घटकर 411 रह गए हैं।

प्रदेश में शनिवार को रिकवरी में सुधार हुआ है। इस दौरान 14 जिलों में 117 संक्रमित ठीक हुए हैं। इसके साथ ही राज्य में अब तक इस बीमारी से 12 लाख 75 हजार 996 लोग स्वस्थ्य हो चुके हैं। प्रदेश में रिकवरी बढ़ने से एक्टिव केस घटकर 411 रह गए हैं। राजधानी जयपुर में भी पिछले चौबीस

- **राजधानी जयपुर में थोड़ी वृद्धि के बाद 27 नए रोगी मिले हैं।**
- **प्रदेश में रिकवरी बेहतर होने से एक्टिव केस घटकर 411 रह गए हैं।**

घंटों में 62 मरीजों के ठीक होने से 235 एक्टिव केस रह गए हैं।

उधर राज्य में आज थोड़ी वृद्धि के बाद 43 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले 32 रोगी पाए गए थे। राजधानी जयपुर में भी आज नए संक्रमितों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। इस दौरान जिले में 27 नए मरीज मिले हैं। इसके अलावा अलवर व उदयपुर में 3-3, सीकर, नागौर व चूरू में 2-2 तथा अजमेर, बारां, बीकानेर और जोधपुर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 23 जिलों बांसवाड़ा, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सिरोही और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है। प्रदेश में शनिवार को भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालाकि, राज्य में अब तक इस बीमारी से 9557 संक्रमितों की मृत्यु हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में शनिवार को 20 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें बनीपार्क, गुर्जर की थड़ी, मालवीय नगर, मानसरोवर, प्रताप नगर, राजापार्क व सांगानेर में 2-2 तथा अजमेर रोड, बजाज नगर, बापू नगर, दुर्गापुरा, गांधी नगर, हीरापुरा, जमवारामगढ़, जौहरी बाजार, कोटपुतली, निर्माण नगर, सोडाला, तूंगा और विद्याधर नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

जेकेके में नाटक गुलिवर्स ट्रैवल और फ्लाइंग फ्लावर्स का लिया आनंद

जयपुर, (का.सं.)। जवाहर कला केंद्र (जेकेके) के रंगायन में शनिवार को पपेटशाला आर्ट्स ग्रुप द्वारा नाटक गुलिवर्स ट्रैवल्स और फ्लाइंग फ्लावर्स प्रस्तुत किया गया। दोनों नाटकों का मंचन सुबह चिल्ड्रंस थियेटर वर्कशॉप के प्रतिभागियों के लिए और शाम को आम जनता के लिए किया गया। नाटक बेहद ही इन्टैक्टिव और मनोरंजक थे। थियेटर वर्कशॉप के बच्चों ने नाटकों का खूब आनंद लिया और ठहाके लगाए। दोनों नाटक, गुलिवर्स ट्रैवल और फ्लाइंग फ्लावर्स का निर्देशन और डिजाइन मोहम्मद शमीम द्वारा किया गया था।

गुलिवर्स ट्रैवल स्वतंत्रता, दृढ़ संकल्प, ताकत, साजिश, करुणा, दोस्ती और स्वीकृति की कहानी है। यह कोई प्रेम कहानी नहीं बल्कि प्रेम की कहानी थी। गुलिवर एक समुद्री तूफान से बहकर लिलिपुट की भूमि के तट पर पहुंच जाता है। उसे लिलिपुट्स पकड़ लेते हैं। वह एक कैदी बन जाता है, लेकिन विशाल होने की शक्ति के बावजूद, वह लिलिपुट्स का पोषण करता है। वह अपनी स्वतंत्रता के लिए बातचीत करता है। हालांकि उसे मारने की साजिश रची जाती है, पर वह बच निकलता है और सच्ची मित्रता की तलाश जारी रखता है और प्रेम की अपनी शक्ति को हल्के में नहीं लेते हुए, अपने सच्चे मित्रों को प्रदान करता है। पपेट डिजाइन और मेकिंग का कार्य शमीम और नीतू कुमारी ने किया था। स्क्रिप्ट शील, ज्योत्सना और शमीम द्वारा लिखी गई थी। इसी प्रकार से, नाटक फ्लाइंग फ्लावर्स एक गैर-मौखिक प्रस्तुति है, जिसमें एक लड़का अपने दोस्त को कुछ फूल उपहार में देना चाहता है और फूल उसे हास्यपूर्ण घटनाओं और झगड़ों के माध्यम से एक यात्रा पर ले जाते हैं। स्टेज पर अविनाश कुमार, शील, मोहम्मद शमीम, कुमाई यादव, उमेश कुमार और प्रदीप कुमार थे।

निगम यूजर चार्ज और यूडी टैक्स वसूलता है तो बंदरों के काटने की घटनाएं कैसे हो रही हैं?

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त जिला न्यायालय, जयपुर जिला ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने कहा है कि नगर निगम की ओर से शहर वासियों से यूजर चार्ज और यूडी टैक्स आदि के रूप में शुल्क की वसूली की जाती है। इस राशि का उपयोग नगर निगम आवारा पशुओं को नियंत्रित करने और विकास कार्यों में करता है, लेकिन ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है कि उन्होंने आवारा पशुओं को पड़ने के लिए कोई कार्रवाई की हो। निगम की लापरवाही के कारण बंदरों के आतंक के चलते एक पन्द्रह साल की बालिका की मौत हुई है। इसके साथ ही अदालत ने नगर निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, लालकोठी और मानसरोवर जोन उपायुक्त पर चार लाख 65 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। अदालत ने यह आदेश कमलेश कुमार व अन्य की ओर से दायर क्षतिपूर्ति दावे पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि नगर निगम स्वायत्तशासी संस्था है। निगम का विधिक और नैतिक दायित्व है कि वह आवारा पशुओं को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त व्यवस्था करे, जिसके चलते कोई अप्रिय घटना नहीं हो।

दावे में कहा गया कि मानसरोवर स्थित स्वर्णपथ और आसपास की कॉलोनियों के निवासी बंदरों के आतंक से परेशान हैं। आवारा बंदर आए दिन लोगों को काटते हैं और घरों में घुसकर सामान को नुकसान पहुंचाते हैं। उनकी पन्द्रह साल की बेटी याशिका सोनी 18 नवंबर 2014 को छत से सूखे कपड़े लेने गई थी। छत पर बंदरों के झुंड ने याशिका को घेर लिया और जगह-जगह काटकर घायल कर दिया। बंदरों से बचने के लिए बच्ची छत पर दौड़ी, लेकिन बंदरों ने उस पर हमला जारी रखा। इस दौरान दूसरी मंजिल से गिरने के चलते उसकी 23 नवंबर को मौत हो गई।

पर्यटन स्थलों को विकसित करने के लिए राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन

जयपुर, (का.सं.)। पर्यटन निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा, संयुक्त निदेशक राजेश शर्मा, पीडीसीओआर लिमिटेड के प्रतिनिधि महेश शर्मा ने शनिवार को दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के सहयोग से केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा सतत एवं पर्यटन स्थलों और जिम्मेदार यात्री अभियान के विकास पर आयोजित राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में भाग लिया। शिखर सम्मेलन में स्थायी पर्यटन के लिए राष्ट्रीय रणनीति के साथ-साथ स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के लिए नए दिशा-निर्देशों की शुरुआत की गई। साथ ही सम्मेलन में स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों को विकसित करने के लिए पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने, जैव विविधता की रक्षा करने, आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा देने, सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिरता को बढ़ावा देने, आईईसी और क्षमता निर्माण आदि को बढ़ावा देने के उपायों और तरीकों पर चर्चा की गई। केंद्रीय पर्यटन विभाग के सचिव, यूएनईपी के निदेशक, आरटीएसओआई के अध्यक्ष ने शिखर सम्मेलन को संबोधित किया।

जयपुर में बैले और लैटिन डांस की शानदार प्रस्तुति

जयपुर, (का.सं.)। बैले एक्सपोज़े के 7वें संस्करण का आयोजन शनिवार शाम को जयपुर के महाराणा प्रताप सभागार में किया गया। इस वर्ष, बैले एक्सपोज़े की थीम नेचर नरचर्स आर्ट थी, जिसका अर्थ है कि प्रकृति रचनात्मकता को कैसे प्रेरित करती है और हमारे शरीर के मूवमेंट से किस खूबसूरती से व्यक्त की जाती है। कार्यक्रम में 5 से 45 वर्ष की आयु के करीब 50 प्रतिभागियों ने ऑथेंटिक लैटिन, शास्त्रीय और बॉलीवुड ट्यून्स पर बैले और सालसा नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आयोजन स्ट्राइप्स इंक. द्वारा मुस्कान के सहयोग से किया गया था, जो प्रभा खेतान फाउंडेशन के साथ एजुकेशन फॉर ऑल ट्रस्ट की एक संयुक्त पहल है। इस अवसर पर स्ट्राइप्स इंक. की संस्थापक अदिति एस मानसिंगका; स्टूडेंट प्रोग्राम एडवाइजर, प्रभा खेतान फाउंडेशन, सुमित्रा रे और ओनेनरी कन्वीनर ऑफ राजस्थान एंड सेंट्रल इंडिया अफेयर्स ऑफ प्रभा खेतान फाउंडेशन, अपरा कुच्छल उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की शुरूआत वंदना के साथ हुई। इसके बाद प्रतिभागियों ने विभिन्न थीम्स जैसे पीकॉक थीम, रेनबो, रोमेंटिक, आदि पर मन मोह लेने वाली प्रस्तुतियां दी। इसके अलावा ऑथेंटिक लैटिन और बॉलीवुड ट्यून्स जैसे खो गए, मोआना, एनकैंटो, रीबॉर्न, क्लाइंब और मारिया आदि पर भी परफॉर्मेंस हुई।

यह शो युवा लड़कियों और महिलाओं द्वारा प्रस्तुत सुंदर रूसी बैले पर केंद्रित था। यह अपनी तरह की अनूठी बैले, बॉलरूम और लैटिन डांस प्रस्तुति थी, जहां प्रतिभागियों ने ऑथेनटिक लैटिन संगीत और शास्त्रीय बैले संगीत पर नृत्य किया।

इसके साथ ही एक अनोखा बैले और भरतनाट्यम फ्यूजन डांस सीक्वेंस भी आयोजित हुआ। बैले एक्सपोज़े का उद्देश्य बैले को एक नृत्य रूप में बढ़ावा देना और जनता के बीच पहचान दिलाना है। इसका उद्देश्य बच्चों और वयस्कों के दिमाग में विशिष्टता को बढ़ावा देना और कैसे बॉक्स से बाहर निकलकर अपने दिल और आत्मा के साथ नृत्य करना है।

वकील गोवर्धन सिंह सहित दो की जमानत अर्जी खारिज

जयपुर, (का.सं.)। शहर की निचली अदालत ने धमका कर दस लाख रुपए हड़पने से जुड़े मामले में वकील गोवर्धन सिंह और एक अन्य सोहेल दीक्षित की जमानत अर्जियों को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा है कि आरोपी पर दस लाख रुपए हड़पने का गंभीर आरोप है और मामले में अभी अनुसंधान लंबित है। ऐसे में आरोपी को जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता। वहीं दूसरी ओर बीकानेर पुलिस ने अदालत में प्रार्थना पत्र पेश कर गोवर्धन सिंह का प्रोडक्शन वारंट लिया है। पुलिस अब उसे बीकानेर में दर्ज मामले में गिरफ्तार कर पूछताछ करेगी।

गौरतलब है कि वैशाली नगर थाना पुलिस ने गत छह मई को गोवर्धन सिंह व सोहेल के खिलाफ रुपए हड़पने का मामला दर्ज किया था। सबसे पहले गोवर्धन सिंह को महिला आरपीएस अधिकारी से अभद्रता से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया गया था। उसके बाद गोवर्धन व अन्य के खिलाफ विभिन्न थानों में आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज हुए हैं।

कट ऑफ में आए अभ्यर्थी को शिक्षक पद पर नियुक्ति के आदेश

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रारंभिक शिक्षा निदेशक को आदेश दिए हैं कि कट ऑफ में आए अभ्यर्थी को हिंदी शिक्षक लेवल 2 के पद पर नियुक्ति दे। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश सुनील जलथुरिया व अन्य की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने 31 जुलाई 2018 को शिक्षक के चार हजार 762 पदों के लिए जारी विज्ञापन में हिंदी विषय के लिए आवेदन किया था। याचिकाकर्ता के अंक भर्ती की कट ऑफ के बराबर आए थे, लेकिन इसके बावजूद भी उसे यह कहते हुए नियुक्ति नहीं दी गई कि प्रकरण में हाईकोर्ट की मुख्यपीठ में मामला विचाराधीन है। याचिका में कहा गया कि मुख्यपीठ में लंबित याचिका निस्तारित हो चुकी है।

ऐसे में याचिकाकर्ता के कट ऑफ में होने के कारण उसे नियुक्ति से वंचित नहीं किया जा सकता। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिका कर्ता को नियुक्ति देने के आदेश दिए हैं।

नवीन उप तहसील जालूकी, खरैरी, गोपालगढ़ तथा खोह का सृजन

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भरतपुर जिले के जालूकी, खरैरी, गोपालगढ़ तथा खोह को नवीन उप तहसील बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। गहलोत के इस निर्णय से लोगों को स्थानीय स्तर पर ही राजस्व कार्यों के निस्तारण में सुगमता होगी। नवीन उप तहसील जालूकी में 2 भू-अभिलेख निरीक्षक वृत्त, 8 पटवार मण्डल तथा 29 राजस्व ग्राम, नवीन उप तहसील खरैरी में 3 भू-अभिलेख निरीक्षक वृत्त, 12 पटवार मण्डल तथा 50 राजस्व ग्राम, शामिल होना प्रस्तावित है।

गुरुकुल विवि प्रकरण में अग्रिम जमानत अर्जी खारिज

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-8 महानगर प्रथम ने गुरुकुल विश्वविद्यालय के फर्जी निर्माण को लेकर आरोपी रणजीत सिंह की अग्रिम जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि अभी तक की जांच में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और फर्जी दस्तावेज का अपराध प्रमाणित पाया गया है। प्रकरण में विस्तृत अनुसंधान किया जाना है। ऐसे में आरोपी को अग्रिम जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

प्रार्थना पत्र में कहा गया कि प्रार्थी को प्रकरण में जबरन फंसाया जा रहा है। उस पर जमीन नहीं होने या फर्जी दस्तावेज पेश करने का आरोप भी नहीं है। प्रकरण में सिर्फ यह तय होना है कि यदि प्रार्थी गुरुकुल विवि की योग्यता रखता है तो उसे अनुमति प्राप्त होगी या नहीं। वहीं सरकारी वकील की ओर से कहा गया कि प्रकरण में अनुसंधान लंबित है। ऐसे में उसे अग्रिम जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। इस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आरोपी की अग्रिम जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है।

स्वीयाटेक दूसरी बार बनी फ्रेंच ओपन चैम्पियन

अमेरिका की कोको गॉफ को 6-1, 6-3 से रौंदा

पेरिस, 04 जून। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी पोलैंड की इगा स्वीयाटेक ने फ़ाइनल में अमेरिका की युवा खिलाड़ी कोको गॉफ को निर्मम अंदाज में शनिवार को 6-1, 6-3 से हराकर दूसरी बार फ्रेंच ओपन का महिला खिताब जीत लिया।

2020 फ्रेंच ओपन विजेता स्वीयाटेक ने इस जीत के साथ इस सदी में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली अमेरिका की वीनस विलियम्स के रिकॉर्ड की बराबरी की और खिताब अपने नाम किया। स्वीयाटेक ने अपने पिछले छह टूर्नामेंट जीत लिए हैं और इस सत्र में अपना रिकॉर्ड 42-3 पहुंचा दिया है।

दूसरी तरफ अपना पहला ग्रैंड स्लेम फ़ाइनल खेल रही गॉफ खिताबी मुकाबले में स्वीयाटेक के सामने कोई ख़ास चुनौती पेश नहीं कर सकीं और लगातार सेटों में हार गयीं।

इगा स्वीयाटेक को इस मुकाबले को जीतने में सिर्फ 68 मिनट ही लगे। पहले सेट में हारने के बाद दूसरे सेट में गॉफ ने स्वीयाटेकक का सर्विस ब्रेक किया और 2-0 की बढ़त बना ली, लेकिन पोलैंड की खिलाड़ी ने जोरदार वापसी करके हुए सेट के साथ ही टाइटल अपने नाम कर लिया। वर्ल्ड नंबर-23 गॉफ के पास 2006 में मारिया शारापोवा के बाद ग्रैंड स्लैम जीतने वाली सबसे कम उम्र की महिला खिलाड़ी बनने का मौका था, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। मुकाबले में हार के बाद गॉफ की आखों से आंसू निकल आए। पूरे मुकाबले में एक बार भी नहीं लगा कि गॉफ वर्ल्ड कप एक महिला खिलाड़ी स्वीयाटेक को टक्कर दे पा रही हैं। 18 साल की कोको गॉफ का यह पहला ग्रैंड स्लैम फाइनल मुकाबला था।

21 साल की इगा स्वीयाटेक ने दूसरी बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीता। उन्होंने इससे पहले 2020 में महिला सिंगल्स का फाइनल जीता था। इसके अलावा उन्होंने कोई ग्रैंड स्लैम का खिताब नहीं जीता है। यह उनकी लगातार 35वीं जीत भी है। उनका यह लगातार छठा खिताब है। उन्होंने लगातार 35 मैच जीतने के वीनस विलियम्स के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली है।

स्वीयाटेक को अभी तक अपने सिंगल्स करियर के फाइनल में हार नहीं मिली है। उनका यह 9वां फाइनल मुकाबला था और सभी में उन्होंने विपक्षी खिलाड़ी को पटखनी दी है। इस मैच को देखने के लिए पोलैंड के स्टार फुटबॉलर रॉबर्ट लेवानडोव्स्की भी स्टेडियम में पहुंचे थे। जीत के बाद ने उन्हें स्टैंड्स में जाकर गले लगा लिया।

स्वीयाटेक पोलैंड के लिए फ्रेंच ओपन जीतने वाली इकलौती खिलाड़ी हैं। उनके अलावा अब तक पोलैंड के किसी पुरुष या महिला खिलाड़ी ने एकल वर्ग में खिताब नहीं जीता है। स्वीयाटेक दो फ्रेंच ओपन जीतने वाली 11वीं महिला खिलाड़ी बन गई हैं।

इस मामले में उन्होंने रूस की मारिया शारापोवा और अमेरिका की मार्टिना नवरातिलोवा की बराबरी कर ली। सबसे ज्यादा फ्रेंच ओपन जीतने वाली महिला खिलाड़ी अमेरिका की क्रिस एवर्ट हैं। एवर्ट 1974, 1975, 1979, 1980, 1983, 1985 और 1986 में जीती थीं।

कोको गॉफ पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थीं। लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। स्वीयाटेक के जीतते ही गॉफ रोने लगीं। काफी देर तक रोने के बाद वो शांत हुईं। कोको ऑस्ट्रेलियन ओपन और विम्बलडन ओपन के चौथे राउंड तक पहुंच चुकी हैं। 2019 (विम्बलडन) में पहली बार वह किसी ग्रैंड स्लैम के चौथे राउंड में पहुंची थीं। उनका तीन साल का लंबा इंतजार फ्रेंच ओपन में खत्म हुआ। इस बार फाइनल में तो पहुंचीं, लेकिन जीत नहीं हासिल कर सकी। उन्हें अपने पहले ग्रैंड स्लैम खिताब के लिए इंतजार करना होगा।

ब्रॉड की हैट्रिक से न्यूज़ीलैंड 285 पर ढेर, इंग्लैंड के सामने 277 का लक्ष्य

लंदन, 04 जून। तेज़ गेंदबाज़ स्टुअर्ट ब्रॉड की हैट्रिक की बदौलत इंग्लैंड ने न्यूज़ीलैंड को पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 285 रन पर रोक दिया जिससे उसे मैच जीतने के लिए 277 रन का लक्ष्य मिला है न्यूज़ीलैंड जब तीसरे दिन बल्लेबाज़ी करने उतरी तो वह चार विकेट के नुकसान पर 236 रन बनाकर मज़बूत स्थिति में थी, लेकिन इंग्लैंड के तेज़ गेंदबाज़ों ने नयी गेंद का फायदा उठाकर 49 रन के अंदर छह विकेट चटके और कीवियों को 285 रन पर रोक दिया। पहली पारी में नौ रन की बढ़त हासिल करने के बाद इंग्लैंड के सामने मैच जीतने के लिये 277 रन का लक्ष्य है।न्यूज़ीलैंड के लिये डैरिल मिचेल ने सबसे ज़्यादा 108 रन बनाये। टॉम ब्लंडेल अपने शतक से चूक गये और जेम्स एंडरसन ने उन्हें 96 रन के स्कोर पर एलबीडब्ल्यू कर पवेलियन लौटा दिया। ब्रॉड ने पारी के 84वें ओवर में लगातार तीन विकेट लेकर हैट्रिक पूरी की। इंग्लैंड के लिये एंडरसन ने दो, मैथ्यू पार्किंसन ने एक और पॉट्स-ब्रॉड ने तीन तीन विकेट लिये।

पुडुचेरी के पांड्या ने एक ओवर में लगाये छह छक्के

पुडुचेरी, 04 जून। पुडुचेरी में चल रही पॉन्डिचेरी टी10 लीग में पैट्रियट के खिलाड़ी कृष्णा पांड्या ने एक ओवर में छह छक्के लगाकर विपक्षी टीम रॉयल्स के छक्के छुड़ा दिये। रॉयल्स बनाम पैट्रियट के शुक्रवार के मुकाबले में पांड्या ने यह कारनामा दूसरी पारी के छठे ओवर में किया। रॉयल्स के 157 रन का पीछा करते हुए पैट्रियट ने पांच ओवर में 41 रन ही बनाये थे और उन्हें बचे हुए पांच ओवर में 117 रन की दरकार थी। कृष्णा पांड्या ने पारी का गियर बदलते हुए छठे ओवर में नितेश ठाकुर को निशाना बनाया और उनकी छह गेंदों पर छह छक्के जड़ दिये। पांड्या ने 19 गेंदें खेलकर 12 छक्कों और दो चौकों की बदौलत 83 रन बनाये, हालांकि उनकी टीम 10 ओवर में 153 रन ही बना सकी और चार रन से मुकाबला हार गयी। इस आतिशी पारी के लिये पांड्या को मैन ऑफ़ द मैच चुना गया।

फ्रेंच ओपन | रुड अपने पहले फ़ाइनल में, खिताबी टक्कर क्ले कोर्ट किंग नडाल से

सेमीफाइनल में क्रोएशिया के मारिन सिलिच को हराया

पेरिस, 04 जून। नॉर्वे के 23 वर्षीय कैस्पर रुड ने फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में क्रोएशिया के मारिन सिलिच को हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में प्रवेश कर लिया है जहां रविवार को उनका मुकाबला लाल बजरी के बेताज बादशाह और 13 बार के विजेता स्पेन के राफेल नडाल से होगा। कोर्ट फिलिप चेट्रीर में शुक्रवार को हुए दूसरे सेमीफाइनल में रुड ने सिलिच को 3-6, 6-4, 6-2, 6-2 से मात दी। पहले सेट में हारने के बाद रुड ने वापसी करते हुए सिलिच के सामने बेहतरीन शॉट खेले और अगले तीनों सेट जीतकर फाइनल में सीट पक्की की। धीमे क्ले-कोर्ट पर रुड ने अपनी क्षमता का प्रदर्शन करते हुए सिलिच की बड़ी सर्विस पर शानदार हिटिंग की और शक्तिशाली बैकहैंड शॉट खेलते हुए सेमीफाइनल को सिलिच से दूर ले गये। तीसरे सेट तक आते-आते सिलिच मुकाबले से बाहर होते रहे और रुड के फ़ोरहैंड शॉट्स का जवाब न दे सके। लाल बजरी पर नडाल के उत्तराधिकारी कहे जाने वाले नॉर्वे के खिलाड़ी ने कहा कि फाइनल में नडाल के विरुद्ध खेलना उनके लिये सम्मान की बात होगी। इससे पहले रुड और नडाल कभी आमने-सामने नहीं आये हैं। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को हुए पहले सेमीफाइनल में राफ़ेल नडाल ने एलेक्ज़ेंडर ज़्वेरेव के रिटायर होने के बाद अपने 14वें फ्रेंच ओपन फाइनल में जगह बना ली। ज़्वेरेव की दाएं टखने में चोट लगने के बाद उन्हें व्हीलचेयर पर कोर्ट से बाहर ले जाया गया और वह रिटायर हो गये थे।

कोएत्जर ने छोड़ी स्कॉटलैंड की कप्तानी

एडिनबर्ग, 04 जून। स्कॉटलैंड के कप्तान काइल कोएत्जर ने शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया। 38 वर्षीय कोएत्जर ने यूएई के खिलाफ आईसीसी क्रिकेट विश्व कप लीग-2 मैच से पहले अपने फैसले की घोषणा की।

क्रिकेट स्कॉटलैंड के बताया कि जुलाई में नामीबिया और नेपाल के खिलाफ श्रृंखला से पहले स्कॉटलैंड के नए कप्तान की नियुक्ति की जाएगी। कोएत्जरने कहा कि उनकी खेलना बंद करने की कोई इच्छा नहीं है और आने वाले समय में एक नए कप्तान के नीचे स्कॉटलैंड के लिये खेलना जारी रखेंगे। उन्होंने 110 मैचों में स्कॉटलैंड का नेतृत्व किया, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात में 2021 टी20 विश्व कप में सुपर 12 गेम शामिल हैं। वह स्कॉटलैंड के तीसरे सबसे अधिक कैप्ड खिलाड़ी हैं। कोएत्जरने एक बयान में कहा, मैंने स्कॉटलैंड पुरुष टीम की कप्तानी छोड़ने के अपने फैसले के बारे में बहुत समय तक विचार किया है और फैसला किया है कि संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ यह टेस्ट बतौर कप्तान मेरा आखिरी टेस्ट होगा।

लॉर्ड्स में खेला जा सकता है विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 का फ़ाइनल

पिछले साल खेला गया डब्ल्यूटीसी का फ़ाइनल मैच लॉर्ड्स में खेला जाना था लेकिन कोरोना महामारी के कारण यह साउथम्पटन में खेला गया था।

लंदन, 04 जून। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) को आख़िरकार लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर अपना फ़ाइनल मुक़ाबला मिल सकता है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) इस समय लॉर्ड्स पर फ़ाइनल मैच के आयोजन पर विचार कर रहा है। पिछले साल खेला गया डब्ल्यूटीसी का फ़ाइनल मैच लॉर्ड्स में खेला जाना था लेकिन कोरोना महामारी के कारण यह साउथम्पटन में खेला गया था। उस दौरान यूके में कोरोना संबंधित प्रतिबंध हटाए जा रहे थे। साथ ही साउथम्पटन मैदान पर होटल होने के कारण खिलाड़ियों को बायो-बबल में रखना आसान होता। भारत को हराकर न्यूज़ीलैंड पहला विश्व टेस्ट चैंपियन बना था। अब जब यूके में कोरोना के सारे प्रतिबंध हट गए हैं और बायो-बबल से राहत दी जा रही है, आईसीसी को उम्मीद है कि वह लॉर्ड्स में फ़ाइनल का आयोजन कर पाएगा। आईसीसी के अध्यक्ष ग्रेग बार्कले इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड के बीच चल रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन टी ब्रेक के दौरान बीबीसी के टेस्ट मैच स्पेशल कार्यक्रम में मौजूद थे। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि यह (फ़ाइनल मैच) हमारी उम्मीदानुसार लॉर्ड्स के लिए निर्धारित है।" उन्होंने आगे कहा, "जून का महीना होने के कारण दूसरे अन्य मैदान वैसे ही संभावित मेज़बानों की सूची से बाहर हो जाते हैं। हम कोविड से बाहर आ चुके हैं। इरादा यही है कि अगर हम सभी आयोजन कर पाए तो यह मैच लॉर्ड्स में ही खेला जाएगा।" इस निर्णय को अंतिम रूप देने से पहले अभी कुछ काम किया जाना बाक़ी है। हालांकि आईसीसी अगले महीने अपनी वार्षिक बैठक में आयोजन स्थल की घोषणा करने की उम्मीद कर रहा है।

स्लोवेनिया की भाषा में एजेडी का शाब्दिक अर्थ होता है ''बुत परस्त'' (हीदन)। लेकिन यह शब्द कुछ सुपर नैचुरल गुणों के लिए भी प्रयुक्त होता है। इसलिए जहां, ''एजवोस्का डैंकलिका'' चट्टान की बनावट को अंग्रेजी में ''हीदन मेडन'' (बुत परस्त कुमारी) कहा जाता है, वहीं साथ-साथ इसे हीदन से कुछ अधिक विलक्षण भी समझा जाता है। उत्तर पश्चिम स्वोवेनिया में जूलियन एल्प्स में माउण्ट प्रिसोनिक के उत्तरी पटल पर चट्टान की यह अद्भुत संरचना देखी जा सकती है, जिस पर इंसानी चेहरा स्पष्ट नज़र आता है। स्थानीय लोक साहित्य के अनुसार यहां एक नेक दिल कन्या रहती थी, जो प्रायः बर्फीले तूफानों से घिरे यात्रियों को रास्ता बताया करती थी। इसे परी या वन देवी भी कहा जाता था। कहा जाता है कि, वह भविष्यवाणी भी कर सकती थी तथा शिशुओं के भाग्य के बारे में उनके जन्म से पहले ही बता देती थी। किंवदंती के अनुसार, एक दिन उसने एक नवजात के बारे में भविष्यवाणी की कि, वो जादुई शक्तियों वाले शैमियर बक (गोट एन्टिलोप प्रजाति) या गोल्डन हॉर्न को मार देगा। उसने कहा कि, उक्त नवजात बच्चा बड़ा होकर शिकारी बनेगा और गोल्डन हॉर्न को मारेगा। लोक मान्यताओं में गोल्डन हॉर्न को दैवीय शक्तियों वाला हिरण माना जाता है। कहा जाता है कि इस भविष्यवाणी से नाराज़ होकर कन्या के भाई बहिनों ने उसे श्राप दे दिया। जब वह माउण्ट प्रिसोनिक पर अपने घर लौटी तो उसका शरीर पत्थर बन गया। उक्त कुमारी का अभिशप्त रूप माउण्ट प्रिसोनिक के उत्तरी भाग पर मौजूद है, जिसे ''हीदन मेडन'' कहा जाता है। उक्त चट्टान के सामने नज़र आने वाले हिस्से पर उसके चेहरे का अक्स दिखता है।

गांवों में पोस्ट ऑफिसों में रेलवे टिकट बुकिंग की सुविधा भी मिलेगी

केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि, 45 हजार डाक घरों में यह व्यवस्था शुरु की जायेगी

नई दिल्ली, 4 जून। भारतीय रेलवे खासतौर पर ग्रामीण इलाकों को ध्यान में रखते हुए अब देशभर में 45,000 डाकघरों में रेलवे टिकट बुकिंग की व्यवस्था शुरु करने जा रही है।

पिछले दिनों खजुराहो में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी घोषणा की थी। रेलमंत्री ने यह भी बताया था कि अब रेल टिकट लेने में भी परेशानी नहीं होगी। रेलवे ने अब 45,000 डाकघरों में टिकटिंग की व्यवस्था की है। यानी यात्री अब बिना किसी परेशानी के पोस्ट ऑफिस से टिकट ले सकते हैं।

गौरतलब है कि स्टेशन से दूर दराज में रहने वाले लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डाक घरों में रेल आरक्षण कराने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है ताकि रेल रिजर्वेशन के लिए लोगों को भटकना न पड़े। इन डाक घरों में रेल आरक्षण बुकिंग का कार्य डाक घर के प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। रेलवे द्वारा नेटवर्क कनेक्टिविटी के साथ हार्डवेयर उपलब्ध कराया गया है। इस योजना से शहर ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों को आस-पास के डाकघरों से अपनी ट्रेनों के लिए रिजर्वेशन कराने की सुविधा मिलेगी। रेलवे ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि वर्तमान में रेलवे द्वारा डाक घरों में प्रदत्त कराई गई रेल आरक्षण बुकिंग की सुविधा मोबाइल ऐप से क्यू.आर. कोड स्कैन कर डिजीटल पेमेंट कर सकेंगे। इस सुविधा में यात्री ऑटोमेटिक टिकट वेंडिग मशीन से मिलने वाली सुविधाओं के लिए डिजिटिल ट्रांजेक्शन से भी भुगतान कर सकेंगे। यात्री इसके जरिये ए.टी.वी.एम. स्मार्ट कार्ड को भी रिचार्ज करा सकते हैं।

- **रेलवे ने यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए उन्हें वेटिंग और लम्बी कतारों से मुक्ति देते हुए ई-टिकटिग की नई सुविधा भी शुरू की है।**

का लाभ उठाएं। हालांकी, इससे पहले भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए उन्हें वेटिंग और लम्बी कतारों से मुक्ति देते हुए ई-टिकटिग की नई सुविधा भी शुरू की है।

इसके तहत रेल यात्री अब यात्रा टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट और मंथली पास के नवीकरण के लिए ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन पर पेटीएम, फोनपे, फ्रीचार्ज जैसे यू.पी.आई. बेस्ड क्यू.आर. कोड को स्कैन कर यात्री फोन के माध्यम से डिजिटल भुगतान कर टिकट ले सकते हैं।

इसके साथ ही खजुराहो और दिल्ली के बीच वंदेभारत ट्रेन पर अपडेट देते हुए रेल मंत्री ने बताया था की इस रूट पर अगस्त तक इलेक्ट्रिफिकेशन का काम पूरा हो जाएगा। तब तक वंदे भारत ट्रेन भी चलने लगेगी। यानी ये मानकर चला जाए की अगस्त के बाद कभी भी मध्य प्रदेश को वंदे भारत ट्रेन की सौगात मिल सकती है। जिसके लिए डाकघर से ही टिकट बुक हो सकती है।

सुभाष चन्द्रा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जा रहा है कि रविवार को विधायक दल की बैठक राज्यसभा चुनाव के लिए बुलाई गई है। इस बैठक के बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी। इस बैठक को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया, संगठन महामंत्री चंद्रशेखर व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित कई नेता संबोधित करेंगे। वहीं शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में हुई बैठक प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र तोमर, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ इत्यादि ने बैठक कर रणनीति पर चर्चा की

82 वर्षीय वृद्धा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शुक्रवार देर शाम वह उन्हें खाना खिलाने के बाद अपने घर लौट रही थी। इस दौरान उसे अपने दादा-दादी की चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। इस पर वह दौड़ते हुए वहां पहुंची, जहां दादी लहुलूहान हालत में पड़ी हुई थी। उसके प्राइवेट पार्ट और शरीर के अन्य हिस्सों से खून बह रहा था। दादी ने बताया की पड़ोस में रहने वाला हुरजी पुत्र मावजी बामणिया शराब के नशे में घर आया था और उसके साथ जबरदस्ती करने लगा। विरोध करने पर उसे चाकू से घायल कर दिया। इसके बाद उसे ब्लीडिंग शुरू हो गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। परिजन घायल वृद्धा चिखली अस्पताल ले गए, जहां से उसे सागवाडा रेफर कर दिया। सागवाडा अस्पताल ले जाते समय पीड़ित की मौत हो गई। इसके बाद परिजन शव लेकर वापस चिखली आए और कुंआ थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया। वहीं हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश जारी है।

'33 सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधियों के खिलाफ पेश करो चालान'

राज्यसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच पुलिस मुख्यालय ने जिलों को भेजे निर्देश

जयपुर, 4 जून (का.प्र.)। राज्यसभा चुनाव से पहले एक ओर तो कांग्रेस निर्दलीय और बसपा से आए विधायक नाराजगी जता रहे हैं वहीं दूसरी ओर पुलिस मुख्यालय की ओर से आदेश जारी हुआ है, जिसमें विभिन्न पार्टियों के सांसदो और विधायकों सहित पूर्व विधायकों के खिलाफ चालान पेश करने के लिए कहा गया है। इस नए फरमान के बाद राजनीतिक गर्मा सकती है।

पुलिस मुख्यालय से विभिन्न जिलों की पुलिस को पत्र लिखकर लंबे समय से पैंडिंग चल रहे प्रकरणों में सांसद, विधायक और पूर्व विधायकों के खिलाफ चालान पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस मुख्यालय से कुल 36 प्रकरणों में से केवल 3 प्रकरणों में फाइनल रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा गया है, शेष 33 प्रकरणों में चालान पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। जिन नेताओं के खिलाफ चालान पेश करने को कहा गया है, उनमें सांसद किरोड़ी लाल मीणा, नरेंद्र कुमार,हनुमान बेनीवाल, कांग्रेस के खिलाफ नाराजगी जता चुके मंत्री राजेंद्र गुढ़ा, अशोक चांदना, भाजपा उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, जोगेश्वर गर्ग, बीटीपी के रामप्रसाद डिंडोर सहित कई पूर्व विधायक भी शामिल है।

वैसे तो पुलिस जिला मुख्यालय, जिला पुलिस अधीक्षकों को समय-समय पर इस तरह के पत्र भेजता रहता है, लेकिन राज्यसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच जनप्रतिनिधियों के खिलाफ चालान पेश करने के लिए अचानक परिपत्र भेजना राजनीति से प्रेरित माना जा रहा है। हालांकि इस मामले को लेकर अधिकांश पुलिस अधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है।

दिल्ली के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वास्तव में तो उनकी पत्नी ने लोगों की जान बचाने के लिए सरकार को 1500 पी.पी.ई. किट निःशुल्क डोनेट किए थे।

मुख्यमंत्री ने आप सरकार पर कोविड पीड़ितों की दशा के प्रति असंवेदनशील होने तक का आरोप लगाया।

शर्मा ने कहा कि, "मैं उस एक घटना को कभी नहीं भूल सकता जब मुझे असम निवासी एवं कोविड से मरे एक व्यक्ति के शव को दिल्ली के मुर्दाघर से प्राप्त करने में सात दिन लग गए थे।"

असम सरकार के प्रवक्ता पियूष हज़ारिका ने कहा कि मुख्यमंत्री के खिलाफ लगाए गए आरोप "झूठे, काल्पनिक और दुर्भावनापूर्ण हैं और यह निहित स्वार्थ रखने वाले कुछ वर्गों की कारस्तानी हो सकती है।"

उन्होंने प्रश्न किया कि, "इन संगठनों के पास यदि इस संबंध में कोई साक्ष्य है तो वे झूठे और निराधार आरोप लगाने के बजाए अदालत की शरण क्यों नहीं ले रहे हैं।"

भाजपा को बाड़ाबंदी की जरूरत नहीं-तोमर

मुझे पूरा भरोसा है कि सुभाष चन्द्रा यह चुनाव अच्छे अंक से जीतेंगेः डॉ. सतीश पूनिया

जयपुर, 4 जून (का.सं.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया का कहना है कि "भाजपा ने सुभाष चंद्रा को समर्थन दिया है, तथा निर्दलीय और क्षेत्रीय पार्टी के साथ हमारा संवाद है। इस समय राजस्थान में कांग्रेस की अराजक सरकार है, उसको सबक सिखाया सिखाना है। निर्दलीय क्षेत्रीय पार्टियों के विधायक भी जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की कर्जामाफी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार कानून व्यवस्था ये सारे मुद्दे क्षेत्रीय दलों व निर्दलीय विधायकों के क्षेत्रों से तालुक रखते हैं। हमने नैतिक तरीकों से उनसे अपील की है, व्यक्तिगत और सार्वजनिक तौर पर आग्रह किया, कुल मिलाकर उन्हें सुभाष चन्द्रा के पक्ष में आना चाहिए। बाकी इस अराजक सरकार के खिलाफ जो जनआक्रोश है वो राज्यसभा चुनाव में मतदान के जरिए व्यक्त करें। उन्होंने कहा कि "मुझे पूरा भरोसा है कि सुभाष चंद्रा यह चुनाव अच्छे मतों से जीतेंगे।" केंद्रीय कृषि मंत्री और राजस्थान के राज्यसभा चुनाव प्रभारी नरेंद्र तोमर शनिवार को जयपुर पहुंचे। राज्यसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि प्रभारी के साथ जयपुर पहुंचा हूं। भाजपा अपनी रणनीति बना रही है। जो लक्ष्य तय किया है, उस पर जरूर पहुंचेंगे। कांग्रेस की बाड़ाबंदी पर तोमर ने कहा कि लोकतांत्रिक देश में दबाव और प्रभाव की राजनीति करना अच्छी बात नहीं है। बसपा के व्हिप जारी करने के सवाल पर तोमर ने कहा कि सभी को अपनी पार्टी के व्हिप के साथ रहना चाहिए। उन्होंने भाजपा में बाड़ाबंदी पर कहा कि भाजपा को बाड़ाबंदी की जरूरत नहीं है। हमारा प्रशिक्षण शिविर होगा।

इकहत्तर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्वास्थ्य तथा पर्यावरण- दोनों के ही वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने के मामले में बहुत कम पड़ रहा है।" महापात्रा ने आगे कहा कि, आँकड़ों के आधार पर बहसें और चर्चाएं पुन: पुन: होती हैं। इस साल जारी होने वाली यह रिपोर्ट भारतीय पर्यावरण की मात्रा को सार्वजनिक करती है। यह वर्ष भारत तथा पृथ्वी ग्रह- दोनों के लिये ही एक महत्वपूर्ण मील के पत्थर के रूप में हमारे सामने है। भारत अपनी आज़ादी के 75वें वर्ष का जश्न मना रहा है तथा हमें एक ''नये भारत'' के निर्माण का प्रण लेते हुये, धनीभूत विकास के लक्ष्यों को हासिल करना है। यह वर्ष स्टॉकहोम कॉन्फ्रेंस की भी 50वीं वर्षगाँठ है, जो मानवीय पर्यावरण के विषय पर हुई संयुक्त राष्ट्र संघ की पहली कॉन्फ्रेंस थी। इस बात का आँकलन करते हुये कि, जिस ''नये भारत'' का वादा किया गया था, वह प्राप्त होगा भी या नहीं, यह रिपोर्ट पूरा-पूरा न्याय करने की कोशिश करती है तथा इसके साथ ही, इस बात का भी दस्तावेजीकरण एवं विश्लेषण करती है कि, पिछले 50 वर्षों में पृथ्वी का पर्यावरण कैसा रहा है।

नाम परिवर्तन

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। शनिवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने, वर्ष 2016 में प्रधानमंत्री मोदी का आवासीय पता, 7, रेस कोर्स रोड से बदलकर, 7, लोक कल्याण मार्ग किए जाने पर चुटकी ली। उन्होंने ट्वीट किया कि "आवासीय पता बदलकर कल्याण मार्ग नाम रख देने से जनता का कोई कल्याण नहीं हो रहा।" उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने 6.5 करोड़ कर्मचारियों का वर्तमान और भविष्य दोनों नष्ट करने के लिए "मंहगाई बढ़ाओ, आय घटाओ" मॉडल अपनाया है। उनका बयान, सरकार द्वारा कर्मचारियों की भविष्य निधि पर दिए जाने वाले ब्याज की दर में कटौती को लेकर था।

- **राहुल गांधी ने मोदी के निवास वाली सड़क का नाम रेसकोर्स रोड से लोक कल्याण मार्ग करने पर कटाक्ष किया कि, नाम बदलने से जनता का कल्याण नहीं होगा।**

कानपुर हिंसा का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

कानपुर, 4 जून। कानपुर हिंसा मामले में मास्टरमाइंड बताए जा रहे जफर हयात हाशमी को यू.पी. पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है। जफर हयात हाशमी को कानपुर पुलिस ने शुक्रवार रात अरेस्ट किया है।

कानपुर हिंसा मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि जफर हयात हाशमी ने फेसबुक पोस्ट के जरिए लोगों को कानपुर में बाजार बंद करने और जेल भरो आंदोलन की अपील की थी।

शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद कानपुर में अचानक हिंसा भड़क गई थी। इस मामले में अब पुलिस ने जफर हयात हाशमी को मुख्य आरोपी करार दिया है। प्राथमिकी में जफर हयात हाशमी का नाम सबसे पहले रखा गया है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने कानपुर में हिंसा और पथराव की घटना के एक दिन बाद शनिवार को 500 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए। हिंसा की घटनाओं में 40 लोग घायल हो गए थे।

कानपुर हिंसा में मुख्य आरोपी बनाए गए जफर हयात हाशमी की गिरफ्तारी के बाद परिवार के लोगों ने दावा किया है कि जफर हयात को फंसाया जा रहा है।

परिवार के लोगों का कहना है कि जफर हमें मिल नहीं रहे हैं, हमने काफी खोजा है। जफर हयात की पत्नी का दावा है कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए बंद को वापस लिया गया था। जुमे की नमाज के जफर हयात घर वापस आ गए थे। उस दौरान कोई हिंसा की वारदात नहीं हो रही थी। लेकिन दोपहर तीन बजे अचानक हिंसा की खबर सामने आई। हयात की पत्नी ने दावा किया कि 14 से 16 साल के बच्चे हाथों में पत्थर लेकर चला रहे थे। ऐसा गुस्सा हमने पहले कभी नहीं देखा था। वह अपने पति की इस हिंसा की वारदात में शामिल नहीं होने का दावा कर रही हैं।

- **जफर हयात हाशमी को यूपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर आरोप है कि, उसी ने फेसबुक पोस्ट के जरिये हिस्सा भड़काई थी।**

कानपुर हिंसा में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। एडीजी ने माना है कि घटना के दौरान पुलिस बल की कमी थी, लेकिन तत्काल पुलिस की संख्या को बढ़ाया गया। जफर हयात हाशमी की गिरफ्तारी पर एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने कहा कि मामले में गिरफ्तारियां चल रही हैं। वीडियो फुटेज के आधार पर उपद्रवियों और षडयंत्रकारी की पहचान की जा रही है। उन्होंने कहा कि कानपुर में कानून व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है।

एडीजी ने कहा कि आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि उपद्रवियों ने जो सरकारी और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है, उसकी भरपाई के लिए कानून की धारा के तहत कार्रवाई होगी। एडीजी प्रशांत कुमार ने जफर हयात हाशमी की गिरफ्तारी पर कहा कि इस मामले में हम ऐसी कार्रवाई करेंगे कि उपद्रवी दोबारा ऐसी घटना को अंजाम देने की सोच भी नहीं पाएंगे। घटना को इंटेलिजेंस फेल्योर के मामले में एडीजी ने कहा कि वह काफी सघन इलाका है। इस मामले में इंटेलिजेंस फेल्योर नहीं कह सकते। घटना के समय वहां पर पुलिस बल कम संख्या में थे। लेकिन, जैसे ही घटना की सूचना मिली पर्याप्त सुरक्षा बलों को वहां भेजा गया।

बाड़ाबंदी में विधायक बीमार

उदयपुर, 4 जून (कासं)। यहां ताज अरावली होटल में चल रही कांग्रेस की बाड़ाबंदी में लाए गए महवा विधायक ओमप्रकाश हुडला की शनिवार को तबियत खराब हो गई। उन्हें उदयपुर के एमबी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार प्रातः हुडला को जी मिचलाने और घबराहट की शिकायत पर होटल में ही प्राथमिक उपचार दिया गया। उसके बाद उन्हें एमबी चिकित्सालय ले जाया गया जहां पर वह कार्डियोलॉजी वार्ड में भर्ती हैं।

- **बाड़ाबंदी में आये महवा विधायक ओमप्रकाश हुड़ला की तबीयत खराब हो गई, उन्हें उदयपुर के एम.बी. अस्पताल में भर्ती कराया गया है।**

हुडला की तबियत खराब होने की सूचना पर स्थानीय कांग्रेसी नेता एवं कार्यकर्ता एमबी चिकित्सालय पहुंचे और उनकी कुशलक्षेम पूछी।

हापुड़ की कैमिकल फैक्टरी में विस्फोट, 9 की मौत

हापुड़, 4 जून। उत्तरप्रदेश के हापुड़ के धौलाना में कैमिकल फैक्ट्री में ब्लास्ट से 9 लोगों की मौत हो गई जबकि 19 लोग घायल हो गए। शुरुआती जानकारी के मुताबिक बॉयलर फटने से फैक्ट्री में जबर्दस्त ब्लास्ट हुआ और आग लग गई। आसपास की कई फैक्ट्रियों की छतें उड़ गईं। पुलिस प्रशासन व दमकल विभाग ने मौके पर पहुंच कर राहत कार्य शुरू किया और कई लोगों को वहां से सुरक्षित निकाला। सी.एम. योगी ने हादसे पर दुख जताया है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हापुड़ केमिकल फैक्ट्री हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने इस हादसे हृदय विदारक बताया और कहा कि जिन लोगों को इस हादसे में जान गंवानी पड़ी उनके प्रति मैं संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

- **कैमिकल फैक्टरी में लगा बॉयलर फटने से वहां काम कर रहे 9 मजदूरों की मौत हो गई तथा 19 अन्य घायल हो गये।**
- **हादसा धौलाना क्षेत्र के यू.पी. एस.आई.डी.सी. (औद्योगिक क्षेत्र) में सी.एन.जी. पंप के पीछे कृष्णा ऑर्गेनिक कंपनी में हुआ।**

इस ब्लास्ट की चपेट में आने से वहां काम कर रहे 9 फैक्ट्री कर्मचारियों की मौत हो गई। हादसे में 19 लोग घायल हुए हैं। फैक्ट्री में ब्लास्ट और आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं।

हादसा धौलाना क्षेत्र के यू.पी. एस.आई.डी.सी. (औद्योगिक क्षेत्र) में सी.एन.जी. पंप के पीछे कृष्णा ऑर्गेनिक कंपनी में हुआ जहां बॉयलर फटने से आग लग गई। ब्लास्ट इतना तेज था कि

पलायन

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। कश्मीर घाटी से कश्मीरी पण्डितों का बड़े स्तर पर पलायन जारी है। एक रिपोर्ट के अनुसार 80 प्रतिशत कश्मीरी पण्डित घाटी छोड़कर जा चुके हैं।

कांग्रेस ने एक ट्वीट में कहा कि, मोदी सरकार की अनिश्चित नीतियों ने कश्मीरी पण्डितों को उसकी स्तर पर ला दिया है, जब उन्हें 32 वर्ष पूर्व आतंकी हमलों के बाद अपने घरों से भागना पड़ा था।

- **कश्मीरी पंडितों के पलायन में वृद्धि, 80 प्रतिशत कश्मीरी पंडित कश्मीर घाटी छोड़ चुके हैं।**

कांग्रेस ने कहा कि, "सरकार केवल हाई लैवल मीटिंग्स और नाटक में व्यस्त है। "पार्टी ने गृह मंत्री अमित शाह का उपहास करते हुए कहा कि, वो कश्मीर की "टारगेटेड किलिंग्स" के लिए पाकिस्तान को दोष दे रहे हैं, बजाय उन पंडितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के जो मोदी सरकार के आश्वासनों पर विश्वास करके अपने घरों को लौटे थे।"

सरहद पर पकड़ा टैग लगा पक्षी

जैसलमेर, 4 जून (नि.सं.)। जैसलमेर जिले की सीमा में सरहद पार से संदिग्ध पक्षियों के आने का सिलसिला लगातार जारी है। पिछले दिनों मिले टैग लगे 3 कबूतरों की जांच पूरी नहीं हो पाई है कि, नाचना से लगती भारत - पाक सीमा पर एक ओर विदेशी पक्षी पकड़ा गया है। पकड़े गए एशियाई हुबारा पक्षी के पंजों में टैग लगा है। दाहिने पैर पर दो अंगूठियां और एल्यूमीनियम का छल्ला लगा हुआ है और बाएं पैर पर हरी प्लास्टिक की अंगूठी लगी है। दोनों पैरों के रिंग पर कुछ अंक लिखे हुए बताए जा रहे हैं और टैग पर संयुक्त अरब अमीरात लिखा हुआ है।

- **टैग पर संयुक्त अरब अमीरात लिखा हुआ है।**

सीमा सुरक्षा बल इस पक्षी पर लगे टैग की जांच कर रही है। भारत- पाक सीमा पर नाचना क्षेत्र की विष्णु की ढाणी में ठ्ठामीणों ने एक ऐसे पक्षी को पकड़ा जिसके पंजों में टैग लगे हैं। ग्रामीणों ने इस पक्षी को पकड़ कर सीमा सुरक्षा बल को सुपुर्द कर दिया है। सीमा सुरक्षा बल की 87 बटालियन के कमांडेंट रणबीर सिंह के अनुसार ग्रामीणों ने टैग लगे संदिग्ध पक्षी को पकड़ा। सीमा सुरक्षा बल ने वहां जाकर पक्षी को अपने कब्जे में लिया। उन्होंने बताया कि, हम पक्षी पर लगे टैग की जांच कर रहे हैं।

403 वर्ष पुरानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हल्का था। क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों और सोजतिया दरवाजे तक की आबादी के लिए यह पानी पीने के लिए वितरण किया जाता था। हालांकि, वर्तमान में बावड़ी का पानी पीने योग्य नहीं है। अब आसपास के मोहल्ले के बच्चे यहां तैरना सीखते हैं।

पंजाब के चार वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने भाजपा जॉइन की

आप ने तंज कसा कि, भाजपा कूड़ेदान बन कर रह गई है कांग्रेस की

चंडीगढ़, 4 जून। पंजाब विधानसभा कांग्रेस को बड़ा झटका देते हुए शनिवार को पार्टी के 4 नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया। इन नेताओं में पूर्व मंत्री से लेकर पूर्व विधायक तक शामिल हैं। भाजपा का हाथ थामने वाले नेताओं में राजकुमार वेरका, बलबीर सिंह सिद्धू, सुंदर शाम अरोड़ा और गुरप्रीत सिंह कांगड़ शामिल हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी ने इस पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा कांग्रेस का कूड़ेदान बन गई है।

मोहाली से 3 बार विधायक रहे बलबीर सिद्धू पिछली कांग्रेस सरकार में स्वास्थ्य मंत्री थे, जबकि रामपुरा फूल से 3 बार विधायक रहे गुरप्रीत कांगड़ राजस्व मंत्री थे। राजकुमार वेरका को माझा क्षेत्र का कद्दावर दलित नेता माना जाता है और वह 3 बार विधायक भी रहे हैं। वेरका पिछली सरकार में सामाजिक न्याय और अधिकारिता एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री थे। होशियारपुर के पूर्व विधायक सुंदर शाम अरोड़ा पिछली कांग्रेस सरकार में उद्योग और वाणिज्य मंत्री थे। बलबीर सिद्धू के भाई एवं मोहाली के महापौर अमरजीत सिंह सिद्धू भी भाजपा में शामिल हो गए।

- **मोहाली से 3 बार विधायक रहे बलबीर सिद्धू पिछली कांग्रेस सरकार में स्वास्थ्य मंत्री थे, जबकि रामपुरा फूल से 3 बार विधायक रहे गुरप्रीत कांगड़ राजस्व मंत्री थे। राजकुमार वेरका को माझा क्षेत्र का कद्दावर दलित नेता माना जाता है और वह 3 बार विधायक भी रहे हैं। इसके अलावा अमरजीत सिंह सिद्धू भी भाजपा में शामिल हो गये हैं।**

इसके अलावा बरनाला से कांग्रेस के पूर्व विधायक केवल ढिल्लों, शिरोमणि अकाली दल के पूर्व विधायक सरूप चंद सिंगला तथा मोहिंदर कौर जोश ने भी भाजपा का दामन थाम लिया है। वे केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और सोमप्रकाश, पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख अश्विनी शर्मा और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं-दुष्यंत गौतम, तरुण चुग, सुनील जाखड़ और मनजिंदर सिंह सिरसा की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को पार्टी नेताओं के साथ बैठक करने और हरियाणा के पंचकूला में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का उद्घाटन करने चंडीगढ़ पहुंचे थे। उनकी मौजूदगी में कांग्रेस नेताओं ने भाजपा जॉइन की। वहीं, आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा ने भाजपा को कांग्रेस का कूड़ेदान बताते हुए तंज कसा है। चड्ढा ने एक ट्वीट कर कहा, 'पंजाब कांग्रेस का सारा कूड़ा भाजपा में शामिल हो रहा है। भाजपा कांग्रेस का कूड़ादान बन गयी है।' हालांकि माना जा रहा है कि पंजाब से इतनी बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं का भाजपा में आना पार्टी के लिए सूबे में जमीनी पकड़ बनाने में मददगार हो सकता है।

दिन दहाड़े ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर उसे लाल रंग की एमपी नंबर की कार में डाल दिया तथा लड़की को उदयुपर नंबर की कार में डाल कर कोर्ट चौराहा की तरफ लेकर फरार हो गए। नवीन कुमार के अनुसार वह अपहरणकर्ताओं और पीड़ितों को नही जानते।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908